(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

तनाव से राहत दिलाने में ...8

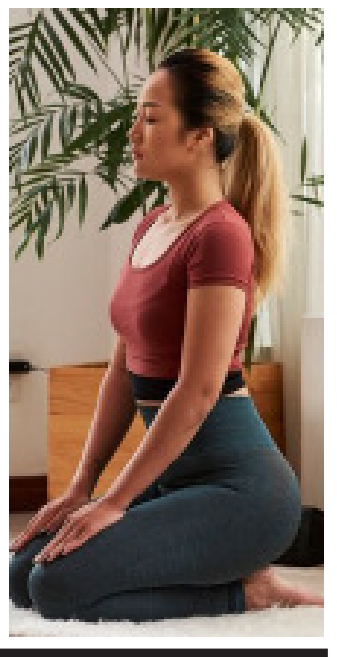

शनिवार, 23 अप्रैल 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 124 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

विश्व व्यवस्था में बदलाव के बीच भारत के पास स्वयं को मजबूत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं: राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के पास अपनी रक्षा, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्वयं को मजबूत बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। सिंह ने यह बात यूक्रेन–रूस युद्ध के संदर्भ में कही। सिंह ने डेफकनेक्ट 2.0के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि दुनिया में बहुत सी चीजें हो रही हैं जो भारत को प्रभावित कर रही हैं। डेफकनेक्ट 2.0 रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट–अप, बड़ी कंपनियों और सशस्त्र बलों के कर्मियों को एकसाथ लाने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम है। सिंह ने कहा, ''जब हम एयरो इंडिया 2021 (21 फरवरी) में मिले थे, तब से अब तक दुनिया इतनी बदल गई है कि इसका हिसाब

या आकलन नहीं किया जा सकता है। हर नया खतरा पिछले की तुलना में अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण लग रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम कोविड–19 के चलते उत्पन्न संकट से पूरी तरह उबर भी नहीं पाए थे कि दुनिया अब यूक्रेन के संघर्ष के मुद्दे का सामना कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''समय के साथ जिस तरह से विश्व व्यवस्था बदल रही है, हमारे पास खुद को मजबूत बनाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।'' मंत्री ने कहा कि इससे पहले भी, दुनिया ने पश्चिम एशिया, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में अस्थिरता देखी है। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, दुनिया में बहुत सी चीजें हो रही हैं जो निश्चित रूप से भारत को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी रक्षा, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत बनें।''

उन्होंने कहा, ''हमें खुद को मजबूत करने के लिए अपने कई क्षेत्रों को विकसित करने की जरूरत है। इस संबंध में 'डिसरप्टिव टेक्नोलॉजी' एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।'' सिंह ने रक्षा प्रौद्योगिकी मामले की उपयोगिता और विशिष्टता को समान रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''रक्षा तकनीक हमारे लिए कितनी उपयोगी है, यह निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी जरूरी है कि रक्षा तकनीक हमारे पास ही हो।'' डेफकनेक्ट 2.0 नवोन्मेषकों को अपनी क्षमताओं, उत्पादों और अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन उद्योगपतियों के समक्ष करने का अवसर प्रदान करता है। स्टार्ट–अप के लिये यह अवसर होता है कि वे निवेश हासिल करने के लिए इसका इस्तेमाल करें।

अदार पूनावाला ने टीके की मंजूरी में देरी पर निराशा जताई

मुंबई। टीका विनिर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने सरकार के स्तर पर मंजूरी में देरी पर निराशा जताते हुए शुक्रवार को कहा कि बच्चों को दिए जाने वाले टीके की अनुमति का उन्हें कई महीनों से इंतजार है। पूनावाला ने टाइम्स नेटवर्क के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समय पर फैसले लेने के लिए जिम्मेदार लोगों एवं समितियों के रुख से लगता है कि उन्हें किसी तरह की जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा, महामारी के खिलाफ जंग में हमें इस मुकाम तक लाने वाली तेजी अब गुम हो चुकी है। ऐसा लगता है कि उन लोगों के लिए सब कुछ सामान्य हो चुका है। पूनावाला ने सात साल से लेकर 11 साल तक के बच्चों के लिए विकसित टीके के बारे में कहा कि उन्हें सरकार से इसकी मंजूरी मिलने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि कोवोवैक्स टीके को नियामकीय मंजूरी कई महीने

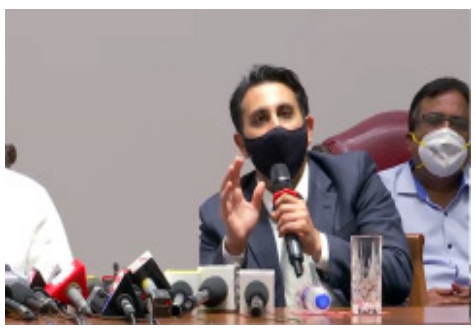

पहले ही मिल चुकी है और यूरोपीय देशों एवं ऑस्ट्रेलिया में इसकी आपूर्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा, वैसे तो यह सरकार स्वास्थ्य देखभाल को अहमियत देती रही है लेकिन ऐसा लगता है कि अब निर्णय लेने से जुड़ी प्रक्रियागत तेजी चली गई है। पूनावाला ने बताया कि तैयार खुराकों की बर्बादी रोकने के लिए उनकी कंपनी ने कोविड–रोधी टीके का उत्पादन 31 दिसंबर, 2021 से ही रोक दिया है। उन्होंने कहा कि इस समय सीरम इंस्टीट्यूट के पास करीब 20 करोड़ खुराकें मौजूद हैं। उन्होंने टीकाकरण की रफ्तार में आई सुस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि कोविशील्ड की एक खुराक की कीमत 600 रुपये से घटाकर 225 रुपये किए जाने के बावजूद लोग अब टीके लगवाने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। हालांकि पहले से दोनों नियमित खुराक लगवा चुके लोगों के लिए बूस्टर खुराक को जरूरी बताते हुए पूनावाला ने कहा कि देश के भीतर और बाहर सफर करने के लिए बढ़ी हुई प्रतिरोधकता की जरूरत बनी रहेगी। पूनावाला ने कहा कि बूस्टर खुराक को नौ महीने के बजाय छह महीने के अंतराल पर ही देने से लोगों की जान पर खतरा कम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वह दो नियमित खुराकों के बाद बूस्टर खुराक को जल्द देने की सिफारिश पैसा कमाने के नजरिये से नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि पहली दो लहरों की तरह लोगों की पीड़ा फिर दिखे। मैं बूस्टर खुराक जल्द देने की बात पैसे कमाने के लिए नहीं कह रहा हूं। वह तो मैं पहले ही काफी कमा चुका हूं। मैंने तो टीकों की बर्बादी रोकने के लिए मुफ्त देने की पेशकश भी की है। सिर्फ पैसे कमाना मेरा मकसद होता तो मैं ऐसा नहीं करता। पूनावाला ने कहा, मेरा सिर्फ यह कहना है कि हम किसी वयस्क या बच्चे की जान की कीमत नहीं लगा सकते हैं। ऐसे में दूसरी लहर की तरह समय पर फैसले लेना आज के वक्त की जरूरत है।

आजमगढ़ लोकसभा चुनाव में निरहुआ होंगे बीजेपी प्रत्याशी, अखिलेश पर जमकर साधा निशाना

आजमगढ। उत्तर प्रदेश के

शानदार स्वागत से बोरिस जॉनसन गदगद

बोले– भारत और ब्रिटेन के बीच अब अच्छे रिश्ते

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन दो दिनों के भारत दौरे पर हैं। अपने दौरे के पहले दिन वह गुजरात के अहमदाबाद में थे जहां वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। दूसरे दिन बोरिस जॉनसन का दिल्ली में कई अधिकारी कार्यक्रम है। इसी कड़ी में आज सुबह सवेरे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने शानदार स्वागत के लिए धन्यवाद किया और साथ ही साथ कहा कि मुझे नहीं लगता कि चीजें

उतनी मजबूत या अच्छी रही हैं जितनी अब हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन राजघाट पहुंचे जहां उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही हमारे (भारत–यूके) के बीच बोरिस जॉनसन ने कहा कि दुनिया निरंकुश देशों से बढ़ते खतरों का सामना कर रही है, जो लोकतंत्र को कमतर, मुक्त व्यापार को खत्म करने और सम्प्रभुत्ता को कुचलना चाहते हैं। भारत के साथ ब्रिटेन की साझेदारी तूफानी समुद्र में प्रकाशपुंज है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच जलवायु परिवर्तन से लेकर ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा तक के मुद्दों पर भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इसमें भारत निर्मित नए लड़ाकू विमानों के लिए सहयोग, युद्धक विमान निर्माण पर ब्रिटेन की उत्कृष्ट जानकारी पेश करना और हिंद महासागर में सूचनाओं की पहचान तथा उनसे निपटने के लिए नयी प्रौद्योगिकी के वास्ते भारत की आवश्यकताओं में सहयोग देना शामिल है।

कोरोना अपडेट: 24 घंटों में सामने आए 2,451 नए मामले, 54 और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,451 नये मामले सामने आने के बाद अब तक कोविड–19 से संक्रमित होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 4,30,52,425 हो गई। इसी तरह सक्रिय मामले भी बढ़कर 14,241 हो गए हैं। केंद्र सरकार के मुताबिक सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में भारत में कोविड संक्रमण के कारण 54 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,22,116 हो गई। मंत्रालय के मुताबिक देश में सक्रिय मामलों में कुल संक्रमण का 0.03 प्रतिशत शामिल है, वहीं मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है।

विदेश में रहने वाले मतदाताओं को डाकमत की सुविधा देने पर विचार किया जा रहा है : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

नयी दिल्ली। विदेशों में रहने वाले पंजीकृत मतदाताओं की संख्या बेहद कम होने की बात कहते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चन्द्रा ने दक्षिण अफ्रीका और मॉरिशस में मौजूद भारतीय समुदाय के सदस्यों से कहा कि एनआरआई मतदाताओं को डाकमत की सुविधा देने पर विचार किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, चन्द्रा ने दोनों देशों की आधिकारिक यात्रा के दौरान वहां भारतीय समुदाय से बातचीत की और उनसे 'ओवरसीज मतदाता' के रूप में पंजीकरण कराने का अनुरोध किया क्योंकि ऐसे मतदाताओं की संख्या बेहद कम है। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों से कहा कि विदेश में रहने वाले मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलट सिस्टम (ईटीपीबीएस) सुविधा देने पर भी विचार किया जा रहा है। ईटीपीबीएस सुविधा अभी तक सेना और केन्द्रीय सशस्त्र बलों के कर्मियों सहित सेवा में लगे कर्मचारियों कर्मियों के लिए उपलब्ध है जो अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर तैनात हैं या विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासधमिशन के सदस्य हैं। निर्वाचन आयोग ने 2020 में ईटीपीबीएस सुविधा विदेशों में रहने वाले मतदाताओं को देने का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा था। विधि मंत्रालय में विधायी सचिव को 27 नवंबर, 2020 को लिखे पत्र में निर्वाचन आयोग ने कहा था कि सेवा में तैनात कर्मियों को ईटीपीबीएस सुविधा सफलतापूर्वक मुहैया कराने के बाद अब उसे यकीन है कि यह सुविधा विदेशों में रहने वाले मतदाताओं को भी दी जा सकती है। निर्वाचन आयोग, केन्द्रीय विधि मंत्रालय और विदेश मंत्रालय विदेशों में रहने वाले भारतीय मतदाताओं से जुड़ी कुछ समस्याओं का समाधान निकालने में जुटे हुए हैं।

आजमगढ़ में होने वाले लोकसभा उप–चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को मैदान में उतारेगी। यह सीट अखिलेश यादव के आजमगढ़ की लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुई थी। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आजमगढ़ में मौसम गर्म है। टिकट मिलते ही बीजेपी के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी और भोजपुरी स्टार निरहुआ ने आजमगढ़ में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। मालूम हो, विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को जीत मिलने के बाद उन्होंने आजमगढ़ के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था. तबसे यह सीट खाली है। वहीं, बीते गुरुवार आजमगढ़ पहुंचे दिनेश लाल यादव ने सपाध्यक्ष पर जमकर वार किया। निरहुआ ने कहा था कि साल 2019 के अखिलेश कहते थे कि आजमगढ़ और इटावा ही उनका घर है, लेकिन अपने स्वार्थ के लिए वह आजमगढ़ तक को छोड़ सकते हैं। ऐसा ही हुआ।

लालू यादव को बड़ी राहत, डोरंडा कोषागार मामले में जमानत, मिली थी 5 साल की सजा

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट ने डोरंडा कोषागार मामले में सजा काट रहे लालू यादव को जमानत दे दी है। इससे पहले चार अन्य मामलों में भी लालू यादव को जमानत मिल चुकी है। फिलहाल लालू यादव न्यायिक हिरासत में हैं और उनका इलाज दिल्ली के एम्स में चल रहा है। कोर्ट ने आधी अवधि की सजा पूरी होने और विभिन्न बीमारियों तथा उम्र को ध्यान में रखते हुए लालू यादव को जमानत दी है। उन्हें 1 लाख रुपये की जमानत राशि और 10 लाख रुपये जुर्माना जमा करना होगा। इससे पहले चारा घोटाले में सजायाफ्ता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका पर उनके वकील कपिल सिब्बल ने अपनी बहस पूरी कर ली थी। सिब्बल ने दावा किया था कि डोरंडा कोषागार से गबन के मामले में उन्हें मिली पांच वर्ष कैद की सजा की आधी से अधिक अवधि पहले ही लालू यादव जेल में बिता चुके हैं लिहाजा उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। इस मामले में लालू प्रसाद यादव को 21 फरवरी को सजा सुनायी गयी थी। लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका में बढ़ती उम्र और 17 प्रकार की बीमारी होने का हवाला दिया गया है।

क्या राजस्थान कांग्रेस में आने वाला है भूचाल ?

सोनिया से सचिन की मुलाकात और गहलोत को याद आ गया 21 महीने पुराना सियासी संकट

नयी दिल्ली। कांग्रेस को पुर्नजीवित करने के लिए पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी लगातार बैठकें कर रही हैं और तत्काल प्रभाव से फैसले भी ले रही हैं। सोनिया गांधी ने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पुरानी बातों को रिकॉल करने लगे। उन्होंने सचिन पायलट की सोनिया गांधी से मुलाकात के 3 घंटे बाद ही 21 महीने पहले के सियासी संकट का जिक्र किया। अशोक गहलोत ने सिविल ध्सर्विसेज डे पर कल्चरल इवेंट में अफसरों के सामने सचिन पायलट खेमे की बगावत का जिक्र करते हुए कहा कि मेरे दिल में क्या है, वह मैं जुबां पर ला रहा हूं। जो सियासी संकट हुआ था, तब 34 दिन हम होटल में रुके थे। उस वक्त जब मैं सुबह होटल से आता था तो कुछ सरकारी काम करता और शाम को सियासी कार्यक्रम होते। उसके बाद क्राइसिस मैनेजमेंट का करता था। क्राइसिस बड़ा था, आप सबकी दुआओं से बच गए। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं लिखा कर लाया था और तीसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं। पूरे देश में नेता कहते रहते हैं कि उनकी जाति के 35 विधायक हैं, कोई कहता है 45 विधायक हैं। मैं कहता हूं कि मेरी जाति का

राजस्थान में एक ही विधायक है और वो मैं खुद हूं। उन्होंने कहा कि सियासी संकट के समय रात में जब मैं होटल जाता था तो सभी विधायक मेरा इंतजार कर रहे होते थे। उस वक्त विधायक मेरी बॉडी लैग्वेज से समझ रहे थे कि सरकार आ रही है या फिर जा रही है। मेरे साथ बैठे विधायको को कुछ नहीं मिल रहा था लेकिन बाहर निकलने पर 10–10 करोड़ रुपए का ऑफर था। मुझे इस पर गर्व है कि सभी विधायक 34 दिनों तक लालच की परवाह किए बगैर मेरे साथ बैठे रहे। गहलोत कई बार कर चुके हैं जिक्रः आपको बता दें कि अशोक गहलोत सियासी संकट का उल्लेख कई बार कर चुके हैं। लेकिन इस बार सोनिया गांधी से सचिन पायलट की मुलाकात के तुरंत बाद ही उन्होंने इसका उल्लेख किया। जिसके कई मतलब निकाले जा रहे हैं। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद सचिन पायलट ने कहा, श्संगठन के दृष्टिकोण पर चर्चा की है। भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियां सबके सामने हैं, ऐसे में आम जन की आवाज बनने पर चर्चा की है। संगठन के चुनाव चल रहे हैं, उस पर भी बातचीत हुई है। पार्टी को मजबूत करने के लिए चर्चा पर हुई।श उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान में पिछले 30 वर्षों से एक परिपाटी है कि एक बार भाजपा सरकार, एक बार कांग्रेस सरकार। एआईसीसी ने लगभग दो साल पहले जो समिति बनाई थी, उसके माध्यम से हमने सरकार के भीतर कुछ उपयोगी कदम उठाए हैं। उसी पर आगे काम करना है ताकि संगठित होकर 2023 के विधानसभा चुनाव में दोबारा सरकार बना सकें। दरअसल, अशोक गहलोत और सचिन पायलट राजस्थान में कांग्रेस के दो विपरीत ध्रुव के तौर पर देखे जाते हैं। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच आज भी खटास देखी जा सकती है। सचिन पायलट के द्वारा पैदा किए गए सियासी संकट के बाद अशोक गहलोत के साथ उनकी कई बार मुलाकात हुई है। इसके बावजूद खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। अशोक गहलोत भले ही उस सियासी संकट से सरकार को बचाने में कामयाब हो गए हो लेकिन सचिन पायलट द्वारा उठाए गए कदम को वो कभी नहीं भूल पाए हैं। जिसका उल्लेख समय–समय पर करते रहते हैं।

एसडीएम की ताबड़तोड़ छापेमारी में प्रतिबंधित प्रजाति की मांगुर मछली भारी मात्रा में बरामद

करनैलगंज(गोंडा)। एसडीएम की ताबड़तोड़ छापेमारी में प्रतिबंधित प्रजाति की मांगुर मछली भारी मात्रा में बरामद की गई जिसकी बाजारू कीमत 14 लाख रुपये आंकी जा रही है। आठ तालाबों में पाली जा रही प्रतिबंधित प्रजाति की मांगुर मछली को एसडीएम ने भारी मात्रा में पकड़ा। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। मछलियों को नष्ट करने के लिए एसडीएम ने मत्स्य विभाग को पत्र जारी किया है। उप जिलाधिकारी हीरालाल के क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें सूचना मिली कि सकरौरा ग्रामीण के मजरा गज्जू पुरवा के पास गैर जनपद से आए कुछ लोग गांव के लोगों से खेत किराए पर लेकर करीब 30 बीघे में 8 तालाब खोद कर उसमें प्रतिबंधित प्रजाति की मछली मांगूर को पाला जा रहा है। मौके पर पहुंचे एसडीएम तालाबों और मछलियों को देखकर दंग रह गए। जहां 8 बड़े तालाब खोदे गए हैं। जिसमें करीब दो माह पूर्व तीन टन मछली का बच्चा डाला गया था। जो अब बढ़कर करीब 10 गुना बड़ी हो चुकी है। जिसकी अनुमानित कीमत 14 लाख रुपये बताई जा रही है। मौके पर पहुंचे एसडीएम मामले से मत्स्य विभाग के साथ ही डीएम को अवगत कराया। प्रतिबंधित प्रजाति की मछलियों को नष्ट करने व मछली पालन कराने वाले लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने लिए मत्स्य विभाग को पत्र भेजा है। एसडीएम हीरालाल ने बताया कि भारी मात्रा में प्रतिबंधित मछली तालाब में हैं। जिनकी विक्री पर सरकारी प्रतिबंध है। जो आठ तालाबों में पाली जा रही हैं। मौके पर राजस्व कर्मियों को भेजकर नजरी नक्शा बनवाया गया है तथा जिलाधिकारी को सूचना देते हुए मत्स्य विभाग को मछलियों को नष्ट कर तालाब की पटाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। मछलियों की कीमत लगभग 14 लाख रुपये का आंकलन किया गया है। उधर एसडीएम की ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप मच गया है।

छात्र अध्यापक एवं छात्र अध्यापकों ने टेंट लगाना सीखा और बिना बर्तन के भोजन बनाया

करनैलगंज(गोंडा)। भारत स्काउट गाइड के पांच दिवसीय कैंप के अंतिम दिन प्रातःध्वज, शिष्टाचार के उपरांत छात्र अध्यापक एवं छात्र अध्यापकों ने टेंट लगाना सीखा और बिना बर्तन के भोजन बनाना सीखा। जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों ने बाटी और चोखा बनाया। शाम को समापन समारोह के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समापन समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.आरबी सिंह बघेल तथा संदीप सिंह जिला भाजपा मंत्री ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना स्वागत गीत के उपरांत अतिथियों का स्वागत स्वागत हुआ। महाविद्यालय के पूर्व प्रवक्ता राजमणि मिश्र को प्राचार्य आरबी सिंह ने अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्काउट प्रतिभागियों ने कैंप फायर का आयोजन किया। मुख्य अतिथि ने स्काउटिंग के द्वारा व्यक्ति के सामाजिक मानसिक और बौद्धिक विकास पर बल देने की बात कही। वहीं प्राचार्य डॉक्टर आरबी सिंह ने बताया छात्र–छात्राओं में खुद से वादा, मजबूत इरादा, मेहनत ज्यादा इन तीन बातों का मूल मंत्र दिया इस अवसर पर डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह, डॉ.सुरेंद्र प्रताप सिंह, डॉ.दीपक श्रीवास्तव , त्रिपुरी दुबे,जगन्नाथ तिवारी, पवन मिश्र, जिला स्काउट कमिश्नर ज्ञानेश,जिला स्काउट गाइड प्रतिभा मिश्रा तथा अनुज आदि लोग मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन में न हो समस्या

मण्डलायुक्त ने की अयोध्या विजन के अन्तर्गत कराये जा रहे विकास कार्यो व परियोजनाओं की समीक्षा

अयोध्या। मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा ने गुरूवार को जिलाधिकारी नितीश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, नगर आयुक्त वशाल सिंह के साथ आयुक्त सभागार में अयोध्या विजन के अन्तर्गत कराये जा रहे विकास कार्यो एवं परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गयी। मण्डलायुक्त ने समीक्षा के दौरान अप्रशंसा व्यक्त करते हुये कहा कि विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा परियोजनाओं की रिपोर्टिंग करने में खानापूर्ति की गयी है और जिसके कारण शासन को रिपोर्ट व प्रगति की अद्यतन स्थिति से निरीक्षण के समय भिन्न पायी जाती है। उन्होंने कहा कि अगली बैठक से पूर्व सभी कार्यदायी संस्थाओं व सम्बंधित विभाग अपनी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें और स्पष्ट उल्लेख कर बतायें कि वर्तमान में सक्रिय कार्य कितने प्रतिशत प्रगति पर है और यदि कार्य सक्रिय नही है और किसी कारण बंद है तथा कब से बंद है उसका कारण स्पष्ट उल्लेख करें। मण्डलायुक्त ने यह भी बताया कि विगत दिनों में देखने में आया है कि उच्च अधिकारियों के निरीक्षण व बैठक के दौरान विभागीय अधिकारी स्वयं अनुपस्थित रहकर अपने प्रतिनिधियों को बिना पूर्ण जानकारी के मौके पर भेज देते है जिसके कारण सही समीक्षा नही हो पाती है। जिस पर उन्होंने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुये कहा कि कोई भी मण्डलीय अधिकारी बिना सूचनाध्अनुमति के मुख्यालय से बाहर नही जायेगा और यदि अपरिहार्य कारणों से बाहर जाना पड़ता है तो उसकी सूचना उपलब्ध कराये और अपने स्थान पर ऐसे प्रतिनिधि को प्रतिभाग करने को कहे जिसके पास पूर्ण जानकारी हों। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे द्वारा समय–समय पर अधिकारियों को विभिन्न सूचनाएं व शिकायतें भेजी जाती है उसका विवरण व निस्तारण यथाशीघ्र कराकर सभी अधिकारी ससमय अवगत करायें।

मण्डलायुक्त ने अयोध्या विजन 2047 की समीक्षा करते हुये समेकित ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली, अयोध्या के 33 पार्को का कायाकल्प, जल निकासी व्यवस्था हेतु नालों का निर्माण, तालाबों का सौन्दर्यीकरण, अयोध्या के 15 वार्डो के गलियों में सड़क व नाली का निर्माण कार्य, वाहन पार्किंग व दुकानों का निर्माण, रामायण सर्किट थीम, ड्राईविंग ट्रेनिंग इंस्ट्रॅयूट, शासकीय डिग्री महाविद्यालय परसावन, रामकथा संग्रहालय और आर्ट गैलरी, अटल आवासीय विद्यालय निर्माण, 100 व 50 शैय्या हास्पिटल आदि निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी और सम्बंधित विभाग व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये गये कि जो–जो निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके है तथा पूर्ण होने की स्थिति में है उनको शीघ्र पूर्ण करते हुये हैंडओवर की कार्यवाही यथाशीघ्र पूर्ण की जाय ताकि उस परियोजना का लाभ जनता को प्राप्त हो सकें तथा जो काम बंद पड़े है उन्हें क्रियाशील कर संचालित किया जाय और जहां बजट की समस्या है वहां शासन को जिलाधिकारी के स्तर से पत्र भेजकर धनराशि की मांग की जाय। उन्होंने कहा कि अयोध्या में लगे मंदिर, सरकारी कार्यालय, तीर्थ स्थलों, मार्ग दर्शन आदि सभी साइन बोर्ड को सही कराया जाय और यह भी सुनिश्चित किया जाय कि उन पर कोई पोस्टर, पम्पलेट आदि चस्पा न किया जाय, जिससे अयोध्या में आ रहे श्रद्वालुओं को दर्शन पूजन में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कान्हा गौशाला को अप्रैल माह के अंत तक अवश्य पूर्ण करते हुये उसमें निराश्रित गौवंश को संरक्षित किया जाय। मण्डलायुक्त ने नालों के निर्माण कार्य को बरसात से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश भी दिये गये। मण्डलायुक्त ने अंत में कहा कि सभी कार्यदायी संस्थाएं परियोजनाओं का गुणवत्तापरत निर्माण कर कार्य में तेजी लायें और निर्धारित समय सीमा पर पूर्ण करें तथा सभी विभाग प्रत्येक सप्ताह के सोमवार को डेस्क बोर्ड तथा पोर्टल अपडेट करना सुनिश्चित करें। बैठक में परियोजनाओं से सम्बंधित कार्यदायी संस्था अयोध्या नगर निगम, उत्तर प्रदेश जलनिगम, उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, अयोध्या विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड आदि के अभियंत्रागण व सम्बंधित विभाग के अधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना'

गोण्डा।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शहीदे आजम सरदार भगत सिंह टॉमसन इंटर कॉलेज से शैक्षिक सत्र 2022– 23 का शुभारंभ किए जाने हेतु जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली जिलाधिकारी महोदय व मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके हरी झंडी दिखाकर स्कूल चलो अभियान के रैली का शुभारंभ किया।इस कार्यक्रम में जिला मुख्यालय के इंटर कॉलेज तथा परिषदीय प्राथमिक विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही जीवन में परिवर्तन व आगे बढ़ने का आधार है। उन्होंने शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए अभिभावक शिक्षक से अपील किया कि स्कूल आने लायक बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करें, तथा शिक्षक शत–प्रतिशत नामांकन कराने के लिए लगातार प्रयास करते रहें। उन्होंने कहा कि स्कूलों के शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

विकासखंड श्रीदत्तगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य मेले का आयोजन संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आजादी के अमृत महोत्सव पर शुक्रवार को

समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में मेले का आयोजन किया गया आयोजित मेले में सभी प्रकार के रोगों की जांच व इलाज की व्यवस्था की गई। साथ ही अन्य विभागों के स्टाल भी लगाए गए मेले में 530 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षा कर दवाएं दी गईं। पात्र मरीजों को आयुष्मान कार्ड वितरण करने के साथ स्वास्थ्य कार्ड भी बनाया गया। मेले में 27 काउंटर लगाए गए थे। सदर विधायक ब्लाक प्रमुख हेमंत जयसवाल मुख्य चिकित्साधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया काउंटर का निरीक्षण भी किया। मेले में 7 आयुष्मान कार्ड दिव्यांग 5 युवा कल्याण 5 लाभार्थियों को कार्ड का वितरण किया गया। 50 लाभार्थियों का हेल्थ कार्ड बनाया गया। मिशन इंद्रधनुष के तहत 100 बच्चों का टीकाकरण किया गया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एके सिंघल, अधीक्षक डाक्टर विकल्प मिश्रा, बी डीओ सागर सिंह, बी ओ सियाराम, प्रधान सुभाष चन्द्र बर्मा, कुलदीप सिंह, चन्दन मिश्र, विजय प्रताप सिंह, अमरेन्द्र, डाक्टर गिरधर चौहान डाक्टर अशोक कुमार, डाक्टर राकेश सिंह, डाक्टर अभिषेक, डाक्टर मकसूद आदि ने मरीजों की जांच कर दवाएं दीं। ब्लाक प्रमुख हेमंत जयसवाल के हाथों लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया।

पनार की जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर बिफरे संत, सौंपा ज्ञापन

गोसाईगंज–अयोध्या। चौरासी कोसी परिक्रमार्थियो का जत्था जब अपने चौथे पडाव स्थल महादेवा घाट पर पहुंचा तो घाट के आसपास हो रहे निर्माण को देखकर महंत गयादास ने मन्दिर समिति से इस पर जानकारी मांगी।जिसपर पता चला कि उक्त जमीन पुराने अभिलेखों में पनार के नाम से दर्ज है और बीते साल तक पूरी जमीन खाली पडी थी। जिसको सुनकर महंत गया दास भड़क गए और अन्न–जल त्याग करने की घोषणा कर दिया।मामले की सूचना जिला प्रशासन को जब हुई तो उन्होंने एसडीएम और सीओ सदर को उन्हे मनाने के लिए भेजा।महादेवा घाट पहुंचे दोनों अधिकारियों को महंत गयादास व मन्दिर समिति ने सारी जानकारी देते हुए एक ज्ञापन सौपा और अवैध रूप से क्रय बिक्रय करने वालो पर अबिलम्ब कार्यवाही करने की मांग किया।दोनों अधिकारियों ने महंत गयादास को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराई जाएगी।जो भी गलत होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।तब जाकर महंत का गुस्सा शांत हुआ।फिलहाल लोगो को शासन प्रशासन की कार्यवाही का इन्तजार है।

तीन तीन जिला अधिकारियों के दिशा निर्देश के बावजूद भी नहीं हट सका अतिक्रमण

सरकारी दावे हवा हवाई साबित हो रहे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। ग्राम पंचायत पिपरा तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर के गाटा संख्या 300 पोखरा रियासती एवं गाटा संख्या 301 299 भीटा पाल अतिक्रमणकारियों एवं भूमाफियाओं द्वारा अतिक्रमण करके निर्माण कर लिया गया है जिस के संबंध में तत्कालीन जिलाधिकारी बलरामपुर सुरेंद्र सिंह द्वारा प्रथम सूचना पंजीकृत करने एवं अतिक्रमण हटाने के लिए तत्कालीन उप जिलाधिकारी तुलसीपुर को निर्देशित व आदेशित किया गया था परंतु कोई कार्यवाही तत्कालीन उप जिलाधिकारी तुलसीपुर द्वारा नहीं किया गया बाद में जिला अधिकारी प्रज्ञान राम मिश्रा को ग्राम वासियों द्वारा उक्त संबंधित अतिक्रमण एवं भू माफियाओं के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया गया जिस पर उक्त जिलाधिकारी द्वारा संज्ञान लेकर तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटाने के लिए तत्कालीन उप जिला अधिकारी तुलसीपुर को निर्देशित व आदेशित किया गया था परंतु आज का उक्त संबंध में भू माफियाओं के विरुद्ध कोई कार्यवाही संभव नहीं हो सकी और ना ही अतिक्रमण हटाया जा सका है पिछले पंचवर्षीय काल काल के समय माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भू माफियाओं एवं आक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्यवाही एवं अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त आदेश जिलाधिकारियों को दिया गया था एवं एंटी भूमाफिया कमेटी का जिला स्तर मंडला एवं प्रांत स्तर पर गठन किया गया था उक्त अवसर पर भी ग्राम वासियों द्वारा संबंधित अतिक्रमण हटवाने एवं भूमाफियाओं के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था परंतु भूमाफियाओं की पहुंच कहां तक है इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है उक्त भूमाफियाओं के विरुद्ध न तो कोई कार्यवाही की गई है और नाही अतिक्रमण हटाया जा सका है जबकि माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा फिर से भूमाफियाओं एवं अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने एवं अतिक्रमण हटाने के लिए जिला अधिकारियों को निर्देशित आगे से किया गया है ऐसी स्थिति में तत्काल प्रभाव से गाटा संख्या 300 पोखरा एवं गाटा संख्या 301 व 299 भीटा तथा 239 रास्ता एवं 356 खलिहान की भूमि से अतिक्रमण हटवाना एवं भू माफियाओं के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित कराया जाना जनहित में आवश्यक है जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

सड़क परियोजनाओं एवं एमएसडीपी के अंतर्गत निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी श्रुति द्वारा रुपए 50 लाख की लागत से अधिक की सड़क परियोजनाओं तथा एमएसडीपी के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। सड़क निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड एवं

निर्माण खंड को निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया गया, उन्होंने कहा कि बरसात से पूर्व निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर लें। सड़कों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा प्राप्त बजट के सापेक्ष जितना बजट खर्च हो गया है उसका उपभोग प्रमाण पत्र भेजते हुए शेष बजट की मांग कर ले। जिलाधिकारी द्वारा एमएसडीपी के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई तथा संबंधित कार्यदाई संस्थाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयावधि के भीतर कार्य पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर डीईएसटीओ संजीव कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम मनोज कुमार, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड, जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ब्लॉक हेल्थ मेला में विभिन्न विभागों ने लगाए स्टाल

अयोध्या। आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में गुरूवार को ब्लॉक मया बाजार और सोहावल में ब्लॉक हेल्थ मेला संपन्न हुआ। ब्लॉक हेल्थ मेला में विभिन्न विभागों की योजनाओं व सेवाओं का लाभ सभी आमजन को हासिल हो सके इसके लिए सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए। ब्लॉक मया बाजार में ब्लॉक हेल्थ मेला का उदघाटन मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह जी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा मेले में सभी विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया गया तथा उन्होंने मेले में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत प्रतिभागियों को स्पोर्ट्स किट का वितरण, संचारी रोग नियंत्रण के लिए फाइलेरिया किट का वितरण किया। मुख्य अतिथि ने बाल विकास एवम पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई रस्म और अन्न प्रासन में गर्भवती महिलाओं को पुष्टाहार दिया और बच्चो को खीर खिलाई। मुख्य अतिथि एवम विशिष्ट अतिथि ने अपने संबोधन में ब्लॉक हेल्थ मेला आयोजन को काफी सराहा और बताया कि स्वास्थ्य मेले जैसे आयोजन और मेले में अन्य विभागों के शामिल होने से लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ साथ अन्य विभागों की भी सेवाएं मिल रही हैं। मेले में कुल 968 लोगों ने सेवाएं प्राप्त की ।7 महिलाओं और 13 बच्चों का नियमित टीकाकरण, 62 लोगों का कोविड टीकाकरण,135 लैब जांच,35 का नेत्र जांच,28 दंत परीक्षण,14 की गैर संचारी रोग की स्क्रीनिंग, 251 लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सको से लाभ,83 लोगों ने आयुर्वेदिक चिकित्सा और 52 ने होम्योपैथ चिकित्सा का लाभ लिया,29 को एएनसी, 32 ने परिवार नियोजन के साधन प्राप्त किया,148 को परिवार नियोजन के लाभों पर परामार्श की सेवाऐं दी गई। मेले में आयुष्मान योजना के तहत 45 लोगों के कार्ड बने तथा वितरण किया गया।6 लाभार्थियों के डिजिटल हेल्थ कार्ड बनाए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 31 नमूनों की जांच की और मेले में आए लोगों को खाद्य गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी। शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के महत्व और शिक्षकों, बच्चों द्वारा नए विचारों, नवाचारों पर लोगों को जागरूक किया। ब्लॉक सोहावल में मेले का उदघाटन विधायक डा. अमित सिंह चौहान द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एवम उपस्थित विशिष्ट अतिथि गण द्वारा मेले में प्रदान की जा रही सेवाओं के स्टॉल का निरीक्षण किया और मेले में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत खेल किट और फाइलेरिया किट का वितरण लाभार्थियों को किया।मेले में सभी विभागों द्वारा अपने विभागों की योजनाओं का लाभ उपस्थित समुदाय को प्रदान किया गया। मेले में कुल 762 लोगों जिनमे 347 पुरुष,403 महिला 12 बच्चों ने लाभ लिया।47 लोगों ने विशेषज्ञ चिकित्सको से लाभ लिया, 28 ने आयुर्वेदिक चिकित्सको,26 ने होम्योपैथ चिकित्सकों से लाभ लिया।12 के आयुष्मान गोल्डन कार्ड ,60 के डिजिटल हेल्थ कार्ड बने,11 महिला और 16 बच्चों का नियमित टीकाकरण,33 का कोविड टीकाकरण,163 लैब जांच,15 की दांत की जांच, 15 नेत्र जांच, खाद्य सुरक्षा विभाग ने12 नमूनों की जांच की और लोगों को जागरूक किया, बाल विकास विभाग ने लाभार्थियों को पुष्टाहार,गोद भराई और बच्चों का अन्न प्रासन कराया। शिक्षा विभाग द्वारा अपने स्टॉल से बच्चों और शिक्षकों द्वारा तैयार नवाचारों से लोगों को अवगत कराया साथ ही अन्य विभागों द्वारा भी आमजन को अपने विभागों की योजनाओं का लाभ दिया।

जिलाधिकारी ने किया गेहूं की फसल की क्राप कटिंग का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा– निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी श्रुति द्वारा विकासखंड बलरामपुर के ग्राम गनवरिया पहुंचकर गेहूं की फसल की क्राप कटिंग का

निरीक्षण किया गया। क्रॉप कटिंग प्रयोगों के आधार पर जिले में फसलों की औसत उपज एवं उत्पादन के आंकड़े तैयार किए जाते हैं। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को क्रॉप कटिंग के आंकड़ों का सटीक आकलन किए जाने का निर्देश दिया गया जिससे कि जनपद में गेहूं की फसल का औसत उत्पादन एवं उपज के सही आंकड़े तैयार किए जा सके। मौके पर कराए गए क्रॉप कटिंग में प्रति हेक्टेयर 39.259 कुंटल का औसत उत्पादन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी आरपी राणा, तहसीलदार बलरामपुर अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सावधान आप हैं पुलिस के तीसरी आँख के जद में

- शहर में प्रवेश करने वाले हर लोकेशन पर लगवाया गया है सीसीटीवी
- सीसीटीवी के माध्यम से शहर में हर गतिविधियों पर पुलिस की बनी हुई है पैनी नजर
- सीसीटीवी के माध्यम से अपराधिक घटनाओं का खुलासा करने में मिल सकती है बड़ी मदद- एएसपी

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शहर में आने जाने वाले हर व्यक्ति पर अब पुलिस की पैनी नजर बनी रहेगी, शहर में प्रवेश करने वाले हर मार्ग पर पुलिस ने आधुनिक सुविधाओं से लैस सीसीटीवी लगा दिया गया है, इस सीसीटीवी के माध्यम से पुलिस के 10 अधिकारी अपने मोबाइल से भी कनेक्ट कर शहर के हर गतिविधियों को कही से भी बैठ कर देख सकते है।

अपर पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि सीसीटीवी के माध्यम से आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने व घटनाओं का त्वरित खुलासा करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी सार्वजिनक स्थलों व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सीसी टीवी लगवाने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। नगरीय क्षेत्र के 30 लोकेशन पर अब तक 120 सीसीटीवी लगाए जा चुके है, जबकि 20 लोकेशन पर अभी सीसीटीवी लगाने की प्रक्रिया जारी है। प्रत्येक लोकेशन पर चार–चार सीसीटीवी कैमरा लगवाया जा रहा है।इसके अलावा जनपद के सभी ग्राम पंचायतों के गांव में प्रवेश करने वाले रास्ते पर भी सीसीटीवी लगवाने का पहल किया जा रहा है। नगरीय क्षेत्रों में सभी पेट्रोल पंपो, सभी शराब की दुकानो, कोटेदारों के यहाँ, सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों, शॉपिंग मॉल व स्वर्ण व्यवसायी, सभ्रांत नागरिको सहित शहर में आने जाने वाले हर इंट्रेस व सार्वजिनक स्थानों पर सीसीटीवी लगाया जाएगा, अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मेरा यह प्रयास है कि जनपद का हर गांव, शहर कस्बा पूरी तरह से तीसरी आँख की जद में हो, इन सभी स्थानों पर सीसीटीवी के लग जाने से लोगों के आपराधिक घटनाओं व आये दिन हो रहे विवादों को रोकने में काफी मदद मिलेगी।इस कैमरे में 15 दिन तक के हर प्रकार की गितिविधिाया सुरक्षित रहेगी, जिले भर के लोकेशन के हर पल की गतिविधियों को पुलिस कंट्रोल रूम के अलावा अपने मोबाइल से कनेक्ट करके कही से भी देखा जा सकता है। सीसीटीवी लग जाने से कौन व्यक्ति आ रहा है, जा रहा है। हर व्यक्ति की तस्बीर सीसीटीवी में कैद हो जाएगी। कोई विवाद व घटना घटित होने पर इस प्रकार की हर गतिविधियां कैमरे में कैद हो जाएंगी जिससे किसी भी प्रकार की घटनाओ को रोकने व उस पर प्रभावी रुप से अंकुश लगाने में पुलिस को काफी मदद मिलेगी। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह अभिनव प्रयोग उन्होंने यूपी की राजधानी लखनऊ में किया था, सभी इंट्रेस, सार्वजिनक पैलेस व अत्यधिक आवागमन वाले स्थानों पर सीसीटीवी लगवाया था, जिसकी मदद से कई सनसनीखेज घटनाओ का खुलासा हुआ था।

डॉ संजय सिंह महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ ने की समीक्षा बैठक

शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में काला नमक ट्रेडिशनल बीज के प्रसार पर दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में कालानमक पर योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक हुई। केंद्र वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश ने डॉ संजय सिंह महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ उत्तर प्रदेश, डॉ संजीव कुमार कुमार उप निदेशक को बुके दे कर स्वागत किया। समीक्षा बैठक में डॉ संजय सिंह ने जिले से आए विभिन्न ब्लॉक के किसानों से कालानमक की खेती व किसान

उत्पादक संगठन चला रहे से बात कर उनको आसवाशन दिया कि कालानमक प्रजाति की शुद्धता, प्रोसेसिंग प्लांट को लेकर मोबाइल प्रोसेसिंग प्लांट कृषि विज्ञान केंद्र को देने की बात कही ताकि मार्केटिंग के साथ अच्छी आय प्राप्त होने के साथ उनकी आय को दो गुना किया जा सके। और केंद्र के वैज्ञानिकों को कालानमक के अच्छी प्रजाति के लिए ट्रेडिशनल बीज को लेकर काम करने को कहा। डॉ सिंह ने आरकेबीवाई योजना के अंतर्गत बाउंड्रीवाल, मधुपालन, बत्तख पालन व थ्रेसिंगफ्लोर आदि का निरीक्षण किया। प्रगतिशील किसानो में नरेंद्र कुमार चौधरी शोहरतगढ़ प्रमोद कुमार दुबे नौगढ़ अतुल वर्मा बांसी दीनानाथ बढ़नी रामू जागीर सिविल सर्जन चौधरी मुकेश कुमार किशनलाल चौधरी रमाकांत भनवापुर व कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार डॉ एस एन सिंह डॉ मार्कंडेय सिंह डॉ एस के मिश्रा नीलम सिहं आदि लोग उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ मेले का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगो तक बेहतर स्वास्थ्य व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। सरकार स्वच्छ भारत ,स्वस्थ भारत के संकल्प को मूर्तरूप देने के लिए कृतसंकल्पित हैं। इस दिशा में जनपद स्तर पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना का सराहनीय प्रयास किया गया है। केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार जन जन तक बेहतर स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। उक्त बातें कपिलवस्तु विधानसभा के विधायक श्यामधनी राही ने कही। वह शुक्रवार को स्थानीय नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित स्वास्थ्य मेला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन से पूर्व सदर विधायक श्यामधनी राही ने फीता काटकर स्वास्थ्य मेले का विधिवत शुभारम्भ किया। कार्यक्रम को सांसद प्रतिनिधि एस पी अग्रवाल,पूर्व चेयरमैन हेमन्त जायसवाल, राकेश आर्य, साच्चिदानन्द चौबे आदि ने संबोधित करते हुए डबल इंजन की भाजपा सरकार द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में किये जारहे आमूल चूल परिवर्तनों व प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों सरकारें गरीबो की बेहतरी के लिए अनवरत कार्य कर रही हैं। सीएमओ डॉ0 अनिल कुमार चौधरी ने विभाग द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी दी।उन्होंने आयुष्मान भारत ,हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर जन आरोग्य योजना ,स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं जन आरोग्य योजना और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दिया।मेले में लगभग एक हजार लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। इस मौके पर कपिलवस्तु क्षेत्र के विधायक श्यामधनी ने कहा कि सरकार कई स्वास्थ्य योजनाएं चला रही हैं। लोग इसका लाभ उठाएं। स्वास्थ्य मेला निरीक्षण क्रम में सदर विधायक राही ने बच्चों का अन्न पराशन भी कराया। इस स्वास्थ्य मेले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, कुष्ठ रोग नियंत्रण, बाल विकास पुष्टाहार विभाग, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना, पौष्टिक आहार, कोविड टीकाकरण, आयुष्मान भारत, दिव्यांग जन,सामान्य चिकित्सा मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन परामर्श, नेत्र, दांत की जांच, पोषण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टीवी नियंत्रण आदि दर्जनों स्वास्थ्य स्टाल लगाए गए।कार्यक्रम में चिकित्सक व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने मेले में आए हुए लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें उचित सलाह के साथ आवश्यक औषधि का भी निःशुल्क वितरण किया। अधीक्षक डॉ अविनाश चौधरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपेक्षित सहयोग और भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए अतिथियों, चिकित्सकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी धर्मेन्द्र पाण्डेय ने किया। इस मौके पर जगदीश जायसवाल, शिवसरन चौरासिया ,रामेश्वर पाण्डेय, विन्दुमती मिश्रा, राजनाथ सिंह, मंतू विश्वकर्मा आदि के अलावा स्वास्थ्य केंद्र के डॉ एस एन आजाद, डॉ शिल्पी, डॉ उजहर अतहर, बृजेश चन्द्र, अनूप मद्धेशिया, डॉ चन्दन श्रीवास्तव, बी सी पी एम कृष्ण मोहन पाण्डेय, मनीष पांडेय रमेश भाष्कर आदि मौजूद रहे।

जनपद में दुर्घटना से बचाव के बने 28 ब्लैक स्पॉटः एएसपी रावत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एएसपी सुरेश चन्द्र रावत ने जनपद की सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने हेतु क्षेत्राधिकारी यातायात अखिलेश वर्मा के माध्यम से जनपद में 17 और नये ब्लैक स्पॉट चिन्हित कराया गया। 11 ब्लैक स्पॉट पूर्व से भी चिन्हित थे स जनपद में कुल 28 ब्लैक स्पॉट वर्तमान में चिन्हित हैं। वह स्थान कहलाता है जहां पर विगत 3 वर्षों में एक ही स्थान पर या तो 5 सड़क दुर्घटनाएं हुई हो अथवा उस स्थल की सड़क दुर्घटनाओं में कुल 10 लोगों की मृत्यु हुई हों स जनपद के चिन्हित कुल 28 स्थलों पर विगत 3 वर्षों में 160 से अधिक एक्सीडेंट हो चुके हैं तथा 90 के लगभग लोग अपनी जान गवा चुके हैं स उक्त स्थल लो पर पर बार–बार सड़क दुर्घटनाएं होने के कारण सड़क के फुटपाथ का सड़क के बराबर ना होना, तीव्र मोड़ होना लिंक रोड का मिलना तथा ओवर स्पीडिंग होना रहता है। उपरोक्त 28 स्थलों में से मधवापुर मोड़, मड़वा मोड, परासिया बिशुनपुर ब्लैक स्पॉट पर ही संबंधित विभाग के द्वारा दुर्घटना बहुल क्षेत्र के संकेतक बोर्ड व अन्य उपाय किए गए हैं। शेष 24 ब्लैक स्पॉट स्थलों पर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र के बोर्ड अन्य उपाय नहीं किए गए हैं। उपरोक्त सभी 24 स्थलों पर दुर्घटना बहुल क्षेत्र के बोर्ड लगाने, गति सीमा बोर्ड लगाने, लिंक रोड पर स्पीड ब्रेकर बनवाने, कैट आई, सोलर ब्लिंकर सफेद पट्टी, जेबरा क्रॉसिंग तथा फुटपाथ को सड़क के बराबर कराए जाने हेतु पीडब्ल्यूडी अथवा एनएचआई संबंधित विभाग को पत्र लिखा जा रहा है।

अवैध कब्जा हटाने ग्रामीणों एस. डी.एम. को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। उप जिलाधिकारी बांसी को ग्राम जनियाजोत

चप्पा चंवर परगना पूरब तहसील बांसी के निवासी शिवकुमार, सूरज, शेषवरन, राधेरमण, संजय कुमार, मिश्री लाल, बहरैची ने ज्ञापन सौंप कर गाटा संख्या 675चध0.057 हे. ग्राम जनिया जोत जिस पर अवैध कब्जा हो रहा है जबकि सरकारी कागज में घोला अंकित है तथा सार्वजनिक उपयोग की भूमि है गांव के ही रमेश पुत्र छोटेलाल दबंगई के बल पर इस सार्वजनिक भूमि पर जो बंजर है और सड़क के किनारे चौराहे की भूमि पर अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य कर रहा है विपक्षी रमेश पुत्र छोटेलाल प्रधान रहा है और प्रधान भी है उस भूमि पर शौचालय बनाने के नाम पर स्वयं की दुकान बना रहा है गांव वालों के विरोध करने पर विपक्षी मानने को तैयार नहीं है बल्कि लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा है जिसके चलते ग्राम सभा की भारी क्षति हो रही हैस विपक्षी का कृत्य पूर्णतया गलत व अवैधानिक है। उक्त ग्राम पंचायत की भूमि पर विपक्षी के द्वारा अवैध निर्माण को रोकना ग्राम सभा के हित में होगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि उक्त कृत्य करने वाले पर कार्यवाही करने के साथ ही अवैध निर्माण को जल्द से जल्द रोका जाये।

प्रमुख व बीडीओ ने तालाब सौन्दरीकरण का किया शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विक्रमजोत ब्लॉक के ग्राम पंचायत अमोढ़ा के चतुर्भुज

मंदिर परिसर में 2 लाख लागत की योजना का तालाब सौन्दरीकरण के कार्य का विक्रमजोत ब्लॉक प्रमुख के० के० सिंह व बीडीओ अनिल कुमार यादव ने पहले मनरेगा मजदूरो को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया तथा मजदूरो के साथ तालाब सौन्दरीकरण में सहभाग किया इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी अमोढ़ा शलेंद्र मणि त्रिपाठी, प्रधान प्रतिनिधि अजय चौहान, जेई रजनीश कुमार, जेई महेश आर्या, अनिल दास सहित अन्य मौजूद रहे विक्रम जोत ब्लॉक के बीडीओ अनिल कुमार यादव ने बताया कि पूरे विक्रमजोत ब्लॉक में शुक्रवार को दस ग्राम पंचायते अमोढ़ा सहित लजघटा, बटौली, धिरौली बाबू, माझाकितउव्वल, इमिलिया, अकवारा, नियामतपुर, करमिया व लखना ग्राम पंचायत में तालाब सौन्दरीकरण की शुरूआत हुआ।

अध्यापकों एवँ युवा नेताओं ने पौधे दान कर मनाया पृथ्वी दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली। विश्वभर मे आज के दिन तमाम कार्यक्रमों का आयोजन कर अलग अलग देश पृथ्वी के संरक्षण की जागरूकता फैलाते हैं, इसी कड़ी को मजबूत करते हुए नेपाल बॉर्डर के सोनौली कस्बे मे स्थित बेथल चिल्ड्रेन स्कूल के बच्चों संग, प्रबंधन, स्टाफ तथा नगर के युवा नेता संजीव जैसवाल संग बिस्मिल नगर के सभासद प्रदीप नायक ने भी हाथ बटा कर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया। बता दें कि घर घर जाकर बांटें गए पौधों मे जामुन, अमरूद, आम, शरीफा, चीकू, करी पत्ता इत्यादि फलों के पौधे बच्चों ने पिछले वर्ष विद्यालय प्रांगण मे खुद बीज बोकर उगाये थे तथा पूरे साल उसकी देखरेख कर आज पृथ्वी दिवस के दिन कस्बे के तमाम घरों एवँ दुकानों मे भी बाँट कर सचमुच पृथ्वी के संरक्षण मे अपना छोटा सा ही सही पर बेहतरीन योगदान दिया है। पृथ्वी दिवस एक वार्षिक आयोजन है, जिसे 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण लिए आयोजित किया जाता है। इसकी स्थापना अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में एक पर्यावरण शिक्षा के रूप की थी। अब इसे 192 से अधिक देशों में प्रति वर्ष मनाया जाता है। कार्यक्रम मे सहभाग करने वाले भाजपा युवा नेता संजीव जैसवाल संग वार्ड संख्या 13 बिस्मिल नगर के सभासद प्रदीप नायक ने भी विद्यालय के द्वारा आयोजित किए गए इस पृथ्वी दिवस की ढेरों सराहना की तथा विद्यार्थियों से बात कर आने वाले समय मे विद्यालय के सौंदर्यीकरण मे उनके योगदान का आश्वासन दिया। विद्यालय प्रबंधक जॉनसन जोशुआ ने बताया कि बेथल चिल्ड्रेन स्कूल पूर्ण रूप से सामाजिक विकास एवं जागरुकता अभियानों के लिए समर्पित है। विद्यालय की प्रधानाचार्या एलिजाबेथ भगत ने कहा कि बच्चों का ऐसे महत्तवपूर्ण मुद्दों पर बढ़चढ़कर अपना योगदान देना, उनके जिम्मेदार होने और उनके मानसिक विकास को भलीभांति दर्शाता है। बूमरैंग वर्ल्डकप मे भारत से चयनित होने की वजह से इनदिनों सुर्खीयों मे रह रहे डैनियल जोशुआ की अध्यक्षता मे आयोजित इस बेहद ही महत्तवपूर्ण दिवस की क्षेत्रवासियों ने भी बड़ी सराहना करी। कार्यक्रम मे सहभाग करने वालो मे अभिषेक जोशुआ, माइकल जोशुआ, आसिफ, फारुख, प्रिया, जेब्बा, प्रीति, एवं अन्य भाजपा नेता भी शामिल रहे।

सम्पादकीय

10 लाख जुर्माने की बात अच्छी है लेकिन कितने मिलावटखोरों पर यह जुर्माना अभी तक हुआ है? वास्तव में यह कानून बेहद सख्त होना चाहिए। मिलावट की गंभीरता के आधार पर सजा भी होनी चाहिए। मिलावटखोरों में से दो–चार को भी फांसी की सजा दी जाए और उसका जमकर प्रचार किया ...

मिलावटखोरों को सजा-ए-मौत

अगर दुनिया में मिलावटखोर देशों की खोज–बीन होने लगे तो शायद हमारे भारत का नाम पहली पंक्ति में होगा। ऐसा नहीं है कि अन्य देशों में मिलावट के अपराध नहीं होते लेकिन कई देशों में मिलावटखोरों के लिए उसी सजा का प्रावधान है, जो किसी हत्यारे के लिए होती है। वास्तव में मिलावटखोर किसी भी हत्यारे से बड़ा हत्यारा होता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन करनेवाले सैकड़ों और हजारों लोग धीरे–धीरे मारे जाते हैं। यह ऐसी प्रक्रिया है कि न मरनेवाले का पता चलता है और न ही मारनेवाले का! सब काम चुपचाप होता रहता है। हत्यारा तो दो–चार आदमियों को मार देता है लेकिन मिलावटखोर तो दर्जनों हत्यारों का कुकर्म अकेला ही कर देता है।

ऐसे ही एक हत्यारे को हरियाणा के पलवल में पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वह देसी घी के नाम पर तरह–तरह के रासायनिक पदार्थों को मिलाकर नकली घी बेचता था। वह कई बड़ी–बड़ी कंपनियों का खराब हुआ घी खरीदकर उन्हें सुंदर–सी शीशियों में भरकर भी बेचता था। यह घी छोटे–मोटे दुकानदारों को काफी कम कीमत पर दिया जाता था। वे नकली घी को मंहगे दाम पर बेचकर उससे मुनाफा जमकर कमाते थे।

यह घी कई बीमारियां पैदा कर सकता है। हृदय रोग, रक्तचाप और मधुमेह तो यह घी पैदा करता ही है, इससे कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। किडनी और यकृत को निढाल करने में यह घी विशेष सक्रिय रहता है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह घी खतरे की घंटी है। घी में मिलावट से उतने लोग प्रभावित नहीं होते, जितने आटे और नमक में मिलावट से होते हैं। आटा और नमक तो गरीब से गरीब आदमी को भी रोज चाहिए। अभी सूरत में ऐसे आटे और नमक के कई प्रसिद्ध ब्रांडो के नमूने पकड़े गए हैं, जिन्हें खाने से तरह–तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

खाने–पीने की ऐसी सैकड़ों चीजें हैं, जिसमें हर दिन मिलावट होती रहती है। मिलावटी चीजें प्रतिदिन खानेवाले ऐसे करोड़ों लोग हैं, जो अपनी तबियत खराब होने पर ठीक से इलाज भी नहीं करवा सकते। ऐसा नहीं है कि सरकार इन मिलावटखोरों के खिलाफ सक्रिय नहीं है या कोई कार्रवाई नहीं करती।

सरकार ने श्खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006च्य में मिलावटखोरों पर 10 लाख रु. जुर्माने और 6 माह से लेकर उम्र कैद तक का प्रावधान कर रखा है लेकिन क्या आज तक किसी को उम्रकैद हुई है?

10 लाख जुर्माने की बात अच्छी है लेकिन कितने मिलावटखोरों पर यह जुर्माना अभी तक हुआ है? वास्तव में यह कानून बेहद सख्त होना चाहिए। मिलावट की गंभीरता के आधार पर सजा भी होनी चाहिए। मिलावटखोरों में से दो–चार को भी फांसी की सजा दी जाए और उसका जमकर प्रचार किया जाए तो भावी मिलावटखोरों की हड्डियों में कंपकंपी दौड़ सकती है।

मिलावटी चीजों के कारखानों में काम करनेवालों और उन चीजों को बेचनेवाले दुकानदारों के लिए भी छोटी–मोटी सजा का प्रावधान हो तो उसका भी काफी असर पड़ेगा। वास्तव में मिलावट तो नर–संहार के बराबर अपराध है। सजा–ए–मौत ही इसका इसका सही जवाब है।

टूट रही है बिरादरी

पिछले हफ्ते पाकिस्तान में हुए एक आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादी गुटों पर कार्रवाई की थी। उसके बाद तालिबान ने आरोप लगाया कि इस दौरान पाकिस्तान के सैनिक अफगान क्षेत्र में चले गए। तालिबान ने चेतावनी दी है कि ऐसी कार्रवाइयों को वह बर्दाश्त नहीं करेगा।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच टकराव अब खुल कर सामने आ गया है। यह न सिर्फ पाकिस्तान के लिए एक सैनिक चुनौती है, बल्कि उसके लिए एक बड़ी रणनीतिक समस्या भी है। जिस तालिबान को उसका समर्थक समझा जाता था, वही अब खुल कर उसे चुनौती दे रहा है। दोनों देशों में टकराव के पहले लक्षण कई महीने पहले उभरे थे। लेकिन अब उनके बीच दुश्मनों जैसी भाषा बोली जा रही है। पिछले हफ्ते पाकिस्तान में हुए एक आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादी गुटों पर कार्रवाई की थी। उसके बाद तालिबान ने आरोप लगाया कि इस दौरान पाकिस्तान के सैनिक सीमा पार कर अफगानिस्तान के क्षेत्र में चले गए। तालिबान ने चेतावनी दी थी कि ऐसी कार्रवाइयों को वह बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके जवाब में पाकिस्तान ने उसी लहजे में बयान जारी किया है। उसने तालिबान से कहा है कि वह पाक–अफगान सीमा से जुड़े इलाकों को सुरक्षित बनाए और आतंकवादी गुटों पर कार्रवाई करे। बीते 14 अप्रैल को पाकिस्तान के उत्तर वजीरीस्तान जिले में सुरक्षा बलों पर हमला हुआ था। उसमें पाकिस्तान के सात सैनिक मारे गए। इसी घटना के बाद दोनों देशों के रिश्ते में टकराव बढ़ा है। पाकिस्तान के एक बयान में कहा गया– श्अफगानिस्तान की संप्रभु सरकार को दोनों बिरादरना देशों में शांति और प्रगति के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए।च्य इसमें सीमा पार से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की गई।

यह दो टूक कहा गया कि आतंकवादी पाकिस्तान के अंदर हमले करने के लिए निर्भय हो कर अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के सामने ये चुनौती उस समय खड़ी हुई है, जब देश में नई सरकार बनी है। उधर अविश्वास प्रस्ताव के जरिए प्रधानमंत्री पद से हटाए गए इमरान खान के समर्थक लगातार सेना पर निशाना साध रहे हैं। इस आलोचना से पाकिस्तान की सेना परेशान है। बीते रविवार को सेना की तरफ से सेनाध्यक्ष जनरल कमर बाजवा का एक बयान जारी किया गया। इसमें जनरल बाजवा ने कहा कि सेना को लेकर लगाई जा रही अटकलों और फैलाई जा रही अफवाहों का तुरंत मुकाबला करने की जरूरत है। जनरल बाजवा ने चेतावनी दी है कि सेना के खिलाफ दुष्प्रचार से देश की साख के लिए खतरा पैदा हो रहा है। इसी समय पड़ोसी देश में भी खुलेआम पाकिस्तान को ललकार रहा है।

किसके साथ हैं केजरीवाल

मगर जिस तरह भाजपा के निशाने पर अल्पसंख्यक हैं, वही आप का भी निशाना है। दुनिया भर में पीड़ितों को शरण देने की परंपरा है और अगर भारत में बांग्लादेश या म्यांमार के पीड़ित शरणार्थी के तौर पर रह रहे हैं, तो उन्हें दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराना साफ तौर पर ओछी राजनीति है। साथ ही यह अल्पसंख्यकों के खिलाफ समाज को उकसाने वाली कार्रवाई भी है, जिस पर तुरंत संज्ञान लिया जाना चाहिए...

सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में अवैध निर्माण तोड़ने के काम पर रोक लगा दी है। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया है और अब इस मामले में दो हफ्ते बाद सुनवाई होगी। यानी बुलडोजर का शोर अभी शांत रहेगा, लेकिन इस कार्रवाई से जो सियासी हलचल दिखनी शुरु हो गई है, वो लंबे वक्त तक जारी रहेगी, ऐसा नजर आ रहा है। बुधवार को कार्रवाई के वक्त ही माकपा नेता वृंदा करात ने बुलडोजर के सामने जाकर कार्रवाई रोकने की मांग करते हुए जो हिम्मत दिखाई, उसकी प्रशंसा कई संवेदनशील और जागरुक नागरिक कर रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि जनता को उसका हक दिलाने के लिए उसके साथ इसी तरह खड़े होने वाले जननेता चाहिए। गुरुवार को कांग्रेस के एक दल ने भी जहांगीरपुरी का दौरा किया, हालांकि पुलिस ने उन्हें अंदर गली में जाने से रोक दिया। इस बीच कुछ कांग्रेसियों ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी के घर के बाहर प्रदर्शन किया, जिस पर उन्हें हिरासत में लिया गया। एआईएमआईएम के असद्दुदीन ओवैसी भी इस मामले में लगातार भाजपा को अपने निशाने पर ले ही रहे हैं। समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जहांगीरपुरी जाने वाला है। जबकि बसपा की मुखिया मायावती ने कई ट्वीट्स के जरिए बुलडोजर

की कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने लिखा कि सरकार को उन अधिकारियों के विरुद्ध भी सख्ती करनी चाहिए जिनके भ्रष्टाचार की वजह से ही अवैध निर्माण हो रहे हैं। मायावती के ट्वीट्स पर कुछ लोगों ने उन्हें सलाह भी दी है कि वे ट्विटर की दुनिया से निकल कर लोगों के बीच जाना शुरु करें। बहरहाल, जिस तरह से तमाम दल इस प्रकरण पर भाजपा के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, उससे पता चलता है कि आने वाले चुनावों में जहांगीरपुरी और बुलडोजर का मुद्दा विपक्षी दल भाजपा को घेरने के लिए उठाएंगे। मगर इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी के नेताओं का जो रवैया है, वो हैरान करने वाला नहीं, बल्कि निराश करने वाला है। आम आदमी पार्टी गरीबों और पीड़ितों के हक की राजनीति के नाम पर ही बनाई गई थी। दिल्ली की झुग्गी–झोपड़ियों में अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह घूम–घूम कर बिजली कनेक्शन जोड़े, पानी, शिक्षा और इलाज गरीबों के लिए मुहैया कराने का वादा किया, उस पर दिल्ली के मतदाताओं ने भरपूर प्रतिदान उन्हें दिया। स्पष्ट बहुमत के साथ उनकी सरकार बनवाई, मगर अब आम आदमी की बात करने वाले अरविंद केजरीवाल सरेआम हिंदुत्व की राजनीति को बढ़ावा देते नजर आ रहे हैं। भाजपा की बी टीम कहलाने के वे सुयोग्य अधिकारी हैं, यह बात उनके बयानों से जाहिर हो जाती है। पिछले छह दिनों में जहांगीरपुरी में सांप्रदायिक फसाद से लेकर बुलडोजर का आतंक सब जनता ने भुगत लिया, लेकिन श्री केजरीवाल एक बार भी पीड़ितों के साथ खड़े नहीं दिखे। 16 अप्रैल को जब हनुमान जयंती की शोभायात्रा में अनावश्यक झगड़ा खड़ा किया गया, तब दिल्ली के मुख्यमंत्री सुंदर कांड का कार्यक्रम देख रहे थे। वहां से निकलते ही उन्होंने कार्यक्रम की तारीफ करने के साथ ट्वीट किया कि अब दिल्ली में जगह–जगह सुंदरकांड का मंचन कराएंगे। जबकि हिंसा की निंदा करते हुए उनका ट्वीट था कि जो भी दोषी हों उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सभी लोगों से अपील– एक दूसरे का हाथ पकड़कर शांति बनाए रखें। क्या एक निर्वाचित मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा की जा सकती है कि वो केवल एक ट्वीट से दुख का इजहार करे। जहांगीरपुरी मामले में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले बयान भी अब आम आदमी पार्टी के नेताओं से आ रहे हैं। जिस तरह भाजपा बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों पर अक्सर उंगली उठाती है, लगभग वैसे ही आप विधायक आतिशी सिंह ने जहांगीरपुरी मामले में ट्वीट में कहा कि अमित शाह के घर और भाजपा मुख्यालय पर बुलडोजर चलना चाहिए। भाजपा ने दंगे करवाने के लिए देशभर में बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को बसाया है। भाजपा सूची दे, किसे कहा बसाया है? इससे पता चल जाएगा– अगले दंगे भाजपा कहां करवाने जा रही है। इस तरह की बेतुकी बातों से साफ पता चलता है कि आप विधायक भाजपा की निंदा जुबानी जमाखर्च के लिए कर रहे हैं। मगर जिस तरह भाजपा के निशाने पर अल्पसंख्यक हैं, वही आप का भी निशाना है। दुनिया भर में पीड़ितों को शरण देने की परंपरा है और अगर भारत में बांग्लादेश या म्यांमार के पीड़ित शरणार्थी के तौर पर रह रहे हैं, तो उन्हें दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराना साफ तौर पर ओछी राजनीति है। साथ ही यह अल्पसंख्यकों के खिलाफ समाज को उकसाने वाली कार्रवाई भी है, जिस पर तुरंत संज्ञान लिया जाना चाहिए। श्री केजरीवाल या उनके पार्टी विधायकों को ये बताना चाहिए कि वे बुलडोजर की कार्रवाई के खिलाफ हैं या नहीं। तभी उनका पक्ष जनता को समझ आएगा। केवल भाजपा की निंदा करने से ईमानदार राजनीति नहीं होगी।

राणा अयूब को क्यों मलाला बनाना?

दूसरी अहम बात यह है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के साथ साथ सोशल मीडिया में इनको बदनाम करने और धमकी देने का अभियान भी चल रहा है, जो बेवजह इन्हें शहीद बना रहा है। अगर इनकी बौ)िक गतिविधियों से सरकार या भारतीय जनता पार्टी को दिक्कत हो रही है तो उसका बौ)िक तरीके से ही जवाब दिया जाना चाहिए। ये लोग जो लिख रहे हैं, कोई दूसरा बौ)िक उसका ...

अजीत द्विवेदी

भारत के ज्यादातर पढ़े–लिखे लोग भी राणा अयूब को नहीं जानते हैं। वे अमेरिकी अखबार श्द वाशिंगटन पोस्टच्य में कॉलम लिखती हैं और नरेंद्र मोदी सरकार की घोषित आलोचक हैं। ऐसे ही आतिश तासीर को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे पत्रकार हैं और तवलीन सिंह के बेटे हैं। तवलीन सिंह भी पत्रकार हैं और कांग्रेस, खासकर सोनिया गांधी परिवार की घनघोर आलोचक हैं। एक जमाने में वे नरेंद्र मोदी की समर्थक रही हैं। इन दिनों वे मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में लिखती हैं, इसके बावजूद सोनिया गांधी के परिवार के प्रति उनकी नफरत कम नहीं हुई है। आकार पटेल को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे भी स्तंभकार हैं और एमनेस्टी इंडिया के प्रमुख रहे हैं। इन तीन नामों– राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल में क्या समानता है? ये तीनों ऐसे पत्रकार हैं, जिनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की है और उस कार्रवाई की सुर्खियां पूरी दुनिया में बनी हैं। पूरी दुनिया के मीडिया संस्थान और यहां तक की सरकारी व गैर–सरकारी संस्थाएं भी इनके समर्थन में उतरी हैं। इनके खिलाफ हुई कार्रवाई ने दुनिया की नजरों में भारत के लोकतंत्र का मान घटाया है। इन पर हुई कार्रवाई की वजह से दुनिया में यह धारणा बनी है कि भारत एक असहिष्णु और प्रेस की आजादी खत्म करने वाला देश बन गया है।

क्या ये तीनों इतने महत्वपूर्ण हैं या इनके लिखे से सचमुच भारत की सरकार या एक देश के नाते भारत की छवि खराब हो रही थी, जो इनके खिलाफ इतनी शिद्दत से कार्रवाई की गई? ये लोग जो लिख रहे हैं उसे पढने वालों की संख्या बहुत मामूली है और उससे प्रभावित होने वालों की संख्या तो और भी कम है। अगर सरकार यह सोचती है कि इनके लिखने या बोलने से दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है तो यह सरासर गलतफहमी है। किसी भी देश या सरकार के बारे में धारणा किसी पत्रकार या स्तंभकार के लिखने से नहीं बनती है। सरकारों के बारे में धारणा उसके कामकाज से बनती है। राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल के लिखने–बोलने से भारत सरकार की जितनी छवि नहीं खराब हुई उससे ज्यादा खराब इनके ऊपर कार्रवाई करने के काम से हुई है। राणा अयूब क्या लिखती हैं यह ज्यादातर लोगों को पता नहीं है लेकिन इस बात की चर्चा पूरी दुनिया में हुई कि श्द वाशिंगटन पोस्टच्य ने उनके समर्थन में एक पन्ने का विज्ञापन प्रकाशित किया। इस अमेरिकी अखबार ने श्कोएलिशन अगेंस्ट ऑनलाइन वायलेंसच्य के साथ मिल कर श्वाशिंगटन पोस्ट प्रेस फ्रीडम पार्टनरशिपच्य के तहत पूरे पन्ने का बयान जारी किया। इसमें कहा गया है, श्तकरीबन हर दिन राणा अयूब को हिंसा और मौत की धमकियां मिलती हैं। वो पक्षपातपूर्ण जांच और ऑनलाइन उत्पीडन का निशाना बन रही हैं। परोपकार कार्यों से जुड़े उनके बैंक खाते को सील कर दिया गया। पत्रकारों को अभियोजन और बदनामी से नहीं डरना चाहिएच्य। क्या यह पढ़ कर अफगानिस्तान की मलाला यूसुफजई का ध्यान नहीं आ रहा है, जिन्हें लड़कियों की शिक्षा की बात करने के लिए गोली मार दी गई थी और उसके बाद वे पूरी दुनिया में कट्टरपंथी इस्लाम के सार्थक विरोध का प्रतीक बन गईं? उनको नोबल पुरस्कार भी मिला। क्या उसी तरह भारत के हिंदू कट्टरपंथी और सरकार दोनों मिल कर राणा अयूब को एक प्रतीक नहीं बना रहे हैं? क्या उनसे पूरी दुनिया में यह मैसेज नहीं जा रहा है कि भारत में हिंदू कट्टरपंथी संगठन और सरकार भी एक महिला के लेखन से घबरा रहे हैं और उसके खिलाफ अभियान चला रहे हैं, उसे मारने की धमकी दे रहे हैं और उसे बदनाम कर रहे हैं? ध्यान रहे भारत सरकार की एजेंसियों ने राणा अयूब के ऊपर धन शोधन के आरोप लगाए हैं और उनकी संपत्ति भी जब्त की है। इसी बहाने उनको विदेश जाने से भी रोक दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह रोक हटाई है और उनको विदेश जाने की इजाजत दी। जांच एजेंसी ने अदालत में कहा कि वे विदेश जाती हैं तो हो सकता है कि नहीं लौटतीं। सोचें, अगर नहीं लौटतीं तो कौन सी आफत आ रही थी। हजारों करोड़ रुपए का घोटाला करके अनगिनत लोग देश से भाग गए और नहीं लौटे। सरकार को उनकी चिंता नहीं है, लेकिन राणा अयूब पर आरोप है कि उन्होंने परोपकार के कार्यों के लिए 2.69 करोड़ रुपए जुटाए, जिसमें गड़बड़ी हुई है तो उसकी इतनी चिंता है। इसकी जांच में एजेंसी ने उनकी 1.77 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है और खाते सील कर दिए हैं। फिर भी इस बात की जिद लगाए थी कि उनको विदेश नहीं जाने देंगे। राणा अयूब अकेली पत्रकार नहीं हैं, जिनके साथ सरकार ऐसा बरताव कर रही है। आकार पटेल को भी बेंगलुरू हवाईअड्डे पर रोक लिया गया। वे अमेरिका जा रहे थे, लेकिन उनको जहाज में नहीं चढने दिया गया। सीबीआई ने उनके खिलाफ लुकआउट सरकुलर जारी किया है, जिसके बारे में दिल्ली की एक अदालत ने यहां तक कहा कि सीबीआई को तत्काल सरकुलर वापस लेना चाहिए और एजेंसी के प्रमुख को आकार पटेल से माफी मांगनी चाहिए। बाद में सीबीआई की विशेष अदालत ने भी सरकुलर वापस लेने का आदेश दिया। आकार पटेल का मामला भी सारी दुनिया में चर्चित हुआ है। लेकिन देश की सबसे प्रीमियर एजेंसी कमर कस कर लगी है कि वह आकार पटेल को विदेश नहीं जाने देगी। ऐसे ही तवलीन सिंह और उनके बेटे आतिश तासीर का मामला है। तासीर के पिता पाकिस्तानी हैं, लेकिन भारतीय माता की वजह से उनको ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया यानी ओआईसी कार्ड मिला हुआ था। उन्होंने अमेरिका की श्टाइम्च्य मैगजीन में प्रध ानमंत्री मोदी के ऊपर आर्टिकल लिखा, जिसमें मोदी को श्डिवाइडर इन चीफच्य बताया। इसके तुरंत बाद उनका ओआईसी कार्ड रद्द कर दिया गया। हालांकि बाद में उनको अमेरिका की नागरिकता मिल गई। राणा अयूब, आकार पटेल और आतिश तासीर प्रतिनिधि नाम हैं। इस तरह के और भी कई चेहरे हैं, जो पत्रकार हैं, लेखक हैं या गैर सरकारी संगठनों से जुड़े हैं। उनके ऊपर छोटे–छोटे मामलों में केंद्रीय एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है। अगर इन्होंने कोई गलती की है तो कानूनी कार्रवाई जरूर होनी चाहिए लेकिन चुनिंदा कार्रवाई से ऐसा प्रतीत होता है कि जान बूझकर इनको निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात यह है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के साथ साथ सोशल मीडिया में इनको बदनाम करने और धमकी देने का अभियान भी चल रहा है, जो बेवजह इन्हें शहीद बना रहा है। अगर इनकी बौद्धिक गतिविधियों से सरकार या भारतीय जनता पार्टी को दिक्कत हो रही है तो उसका बौद्धिक तरीके से ही जवाब दिया जाना चाहिए। ये लोग जो लिख रहे हैं, कोई दूसरा बौद्धिक उसका जवाब दे सकता है। लेकिन अगर बौद्धिक गतिविधियों का जवाब केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से दिया जा रहा है तो इसका मतलब है कि सरकार के पास सहिष्णुता की कमी तो है ही साथ ही अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित बौद्धिकों की भी भारी कमी है।

लंबे समय बाद भी संपर्क मार्ग से नहीं जुड़ सका मदन महुअवां गांव

देवरिया। देश की आजादी के लंबे समय बाद भी सलेमपुर क्षेत्र का मदन महुअवा गांव संपर्क मार्ग से नहीं जुड़ सका है, जिसके चलते लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। कई बार जनप्रतिनिधियों व अफसरों से भी शिकायत की, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। विकास खंड सलेमपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत जमुआ नंबर एक का पांच सौ आबादी वाला राजस्व ग्राम मदन महुअवां उर्फ बटोरहीं आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। यह गांव स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी संपर्क मार्ग से नहीं जुड़ पाया है। पगडंडियों के सहारे गांव में लोगों का आना–जाना है। मिट्टी वाला यह चकरोड भी अत्यधिक खराब है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। भीम चौहान, सोनमती देवी एवं चंद्रपति ने कहा कि गांव में एक इंच भी जलनिकासी के लिए नाली का निर्माण तक नहीं हुआ है। नतीजा कि घर से सटे ही गड्ढा खोदकर लोग गंदा पानी इकट्ठा कर रखें हैं, जिससे कि मच्छरों की संख्या में जहां वृद्धि हुई है, वहीं संक्रामक बीमारियों के फैलने की हमेशा आशंका बनी रहती है। गांव की अर्थव्यवस्था कृषि कार्य पर आधारित है। सब्जी की खेती कर ग्रामीण अपनी जीविका चलाते हैं, लेकिन सिचाई के लिए कोई सरकारी इंतजाम न होने से इन्हें महंगे व्यक्तिगत साधनों से सिचाई करना पड़ता है। गांव की खुशबू देवी तथा फूलपती देवी ने बताया कि हमें आवास नहीं मिला है, जबकि हम गरीब आवास प्राप्ति के मानक को पूरा करते हैं। गांव में विद्युत वितरण व्यवस्था जर्जर तारों के भरोसे है। चंद्रशेखर कुशवाहा एवं रामसनेही कुशवाहा कहते हैं कि जर्जर तारों की जगह अच्छे तार लग जाए तो समस्या से निजात मिल जाएगी। कोमल कुशवाहा के घर में तो बिजली ही नहीं पहुंची है, जिससे ढिब्बरी के सहारे जीवन यापन करना पड़ रहा है। कन्हैया कुशवाहा ने कहा कि संपर्क मार्ग न होने के कारण इस गांव में नेता वोट मांगने भी नहीं आते हैं। भाजपा सरकार सबके विकास के लिए संकल्पित है। गांव का सर्वे कराकर सभी विकास योजनाओं से गांव को जोड़ने के निर्देशित किया जाएगा। गांव शीघ्र ही सम्पर्क मार्ग से जुड़ेगा। विजय लक्ष्मी गौतम, विधायक व राज्य मंत्री ग्राम प्रधान को निर्देशित कर स्टीमेट मंगाकर मदन महुअवां गांव में विकास कार्य कराया जाएगा। आनंद प्रकाश, खंड विकास अधिकारी, सलेमपुर मदन महुअवां उर्फ बटोरहीं गांव संपर्क मार्ग से नहीं जुड़ा है। जलनिकासी के इंतजाम भी नहीं है। विधायक से बात हुई है। उनसे मिलकर समस्याओं का समाधान कराऊंगी।

करमाजीतपुर की घटना की हो निष्पक्ष जांचः राधेश्याम सिंह

देवरिया। समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व राज्य मंत्री राधेश्याम सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान गौरीबाजार क्षेत्र के करमाजीतपुर गांव में हुए बवाल के मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इस घटना में कई निर्दोषों को फंसाया गया है। इसलिए वीडियोग्राफी, काल डिटेल या अन्य साक्ष्य के आधार पर जांच कराते हुए निर्दोषों का उत्पीड़न रोका जाना चाहिए। पूर्व राज्य मंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र से मुलाकात की और ज्ञापन दिया। पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह ने कहा कि इस घटना में कई निर्दोषों को नामजद किया गया है। जिनके विरुद्ध पुलिस ने 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। निर्दोष व्यक्तियों को बरी किया जाना चाहिए। दो मार्च की रात गौरीबाजार के करमाजीतपुर गांव में गोरखपुर जनपद के राजेंद्रनगर पश्चिमी गोरखनाथ के रहने वाले आशुतोष ओझा व उनके साथियों पर जानलेवा हमले, 32 बोर का रिवाल्वर व सोने की चेन लूटने के मामले में पुलिस ने गौरीबाजार थाने में पूर्व विधायक जन्मेजय सिंह के पुत्र व विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी रहे अजय प्रताप सिंह पिटू समेत 12 लोगों के विरुद्ध डकैती, हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। सभी आरोपितों के फरार चलने पर पुलिस अधीक्षक ने अजय प्रताप सिंह पिटू व उसके भाई श्रीप्रकाश सिंह, भतीजा ज्ञान प्रकाश सिंह पुत्र श्रीप्रकाश सिंह समेत आठ के विरुद्ध 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। प्रतिनिधिमंडल में सपा के राष्ट्रीय सचिव ओपी यादव, विजय प्रताप मणि उर्फ डब्लू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अवनीश यादव, श्यामदेव यादव, रामप्रकाश यादव, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

ठूठीबारी व सोनौली में बनेगा अस्पताल और माल, जमीन चिह्नित

महराजगंज। नेपाल की सीमा पर सोनौली और ठूठीबारी में आधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल और माल बनाए जाएंगे। इसके लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। इसका लाभ नेपाल के नागरिक उठा सकेंगे। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने पिछले दिनों भारत दौरे के समय वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर सीमावर्ती क्षेत्रों में माल और अस्पताल खोलने की मांग रखी थी। इसके बाद शासन स्तर से कवायद शुरू की गई। अस्पताल और माल के लिए सोनौली और ठूठीबारी में 100–100 एकड़ में भूमि चिह्नित कर ली गई है। प्रस्ताव तैयार करने के लिए अधिकारी हरकत में आ गए हैं। सोनौली क्षेत्र में 325 किसानों जमीन ली जाएगी, ठूठीबारी में भी किसानों की संख्या इसी के आसपास है। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि शीघ्र ही शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद शासन से जैसा दिशा निर्देश प्राप्त होगा, उसके अनुसार कार्य किया जाएगा।

सोनौली में 140 एकड़ में बनेगा लैंडपोर्ट

महराजगंज। पर्यटन को बढ़ावा देने और यात्री सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोनौली में लैंडपोर्ट बनाया जाएगा। 140 एकड़ में बनने वाले लैंडपोर्ट में होटल के साथ ही यात्रियों के लिए सुविधा की व्यवस्था की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सभी प्रकार की जांच की व्यवस्था भी यहीं उपलब्ध रहेगी।

होटल निरंजना की सुधरेगी की काया

महराजगंज। उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास द्वारा सोनौली में संचालित निरंजना होटल की काया सुधरेगी। इसके लिए 2.50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भारत–नेपाल सीमा से सटे सोनौली में स्थित निरंजना होटल में 20 कमरों में आठ ही चालू हैं, वह भी अक्सर खाली रहता है। होटल के चार डोमेट्रिक हाल में दो हमेशा खाली रहता है। भवन जर्जर हालत में हैं, वहीं होटल के पीछे करीब एक एकड़ परिसर झाड़–झंखाड़ से पटा है। अव्यवस्था होने के कारण पर्यटक इधर नहीं आते हैं, लेकिन अब इसके जीर्णोद्धार होने से पर्यटकों का ठहराव होगा और इसी के साथ क्षेत्र का विकास भी होगा।

बनेगा फूड पार्क, किसानों को होगा लाभ

महराजगंज। किसानों, प्रसंस्करणकर्ताओं तथा खुदरा विक्रेताओं को एक साथ लाते हुए कृषि उत्पादन को बाजार से जोड़कर किसानों की आय में वृद्धि और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से नौतनवा में फूड पार्क बनाया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के पास 100 एकड़ की भूमि चिह्नित की है। योजना के मुताबिक फूड पार्क वाले स्थल की सड़क 30 मीटर चौड़ी होगी, ताकि बड़े वाहनों के आवागमन में कोई दिक्कत न हो।

बिना अनुमति न निकालें जुलूस व झांकी, भाईचारे से मनाएं पर्व

महराजगंज। त्योहार को लेकर बिना पूर्व अनुमति के कोई भी जुलूस या झांकी आदि न निकाली जाए। ईदगाहों का निरीक्षण कर उसकी साफ–सफाई करा लें। विद्युत विभाग बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करे। सभी संबंधित अधिकारी निर्देशों का पालन करें और आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने के लिए लोगों को प्रेरित करें। यह बातें जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कहीं। वह कलेक्ट्रेट सभागार में ईद व अक्षय तृतीया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पीस कमेटी की बैठक कर रहे थे। जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा जनपद एक परिवार की तरह है। पीस कमेटी की बैठक के बहाने ये परिवार एक साथ बैठता है और परिवार में शांति–व्यवस्था को बनाये रखने के लिए चर्चा करता है। उन्होंने कहा कि जनपद में यदि कोई ऐसा मामला आपके संज्ञान में आता है, जिसमे कोई गरीब परिवार है, जिसका कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार है, तो उनके बारे में प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन का पूरा प्रयास होगा कि शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उस परिवार की पूरी मदद की जाए। जिलाधिकारी ने पुलिस व सोशल मीडिया सेल को इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। इंटरनेट मीडिया के खतरों के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों पर नजर रखें, कि वे इंटरनेट मीडिया पर क्या देख रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डा.कौस्तुभ ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सीओ व थानाध्यक्ष निरंतर क्षेत्र में लगातार नजर बनाए रखें। इंटरनेट मीडिया की लगातार निगरानी करें और कोई गैरकानूनी गतिविधि होती मिलती है, तो उसपर तुरंत कार्रवाई करें। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। अगले कुछ दिनों में थाना स्तर पर पुनरू मीटिग कर लोगों को अमन व भाईचारे के साथ त्योहार मनाने के लिए प्रेरित करें। अपर जिलाधिकारी डा. पंकज कुमार वर्मा व अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार ने भी जरूरी निर्देश दिए। विभिन्न संगठनों व धर्मों के लोगों ने प्रशासन के सामने अपनी बात रखी और आश्वस्त किया कि आगामी त्योहारों को शांति व भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। बैठक का संचालन शमशुल हुदा ने किया। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट साईं तेजा सीलम, सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारी, सभी क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष, अन्य संबंधित अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विवाहिता की मृत्यु के मामले में पति व जेठानी को जेल

बरगदवा। पिपरा गांव में देर शाम विवाहिता की मृत्यु के मामले में पुलिस ने . की दोपहर उसके पति व जेठानी को दहेज हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। बरगदवा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव के कमलेश का विवाह वर्ष 2021 में ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के रामनगर गांव में ऊषा से हुआ था। बीते मंगलवार की देर शाम उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। थानाध्यक्ष बरगदवा अजित कुमार ने बताया कि मृतका के पिता ओमप्रकाश ने पति कमलेश व जेठानी शीला के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व हत्या के संबंध में तहरीर दी थी। इस पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की गई।

लापरवाही में दो उपनिरीक्षक समेत पांच पुलिसकर्मी निलंबित

देवरिया। पुलिस अधीक्षक ने लापरवाही मिलने पर दो उप निरीक्षकों समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई से खलबली मची है। पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र ने विवेचना में तेजी लाने के लिए अभियान चलाया है। उनके निर्देश के बाद भी सदर कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार ने विवेचना कार्य समय से पूरा नहीं किया। जिस पर एसपी ने नाराजगी जताई और उप निरीक्षक को निलंबित कर दिया। मीडिया सेल में तैनात उप निरीक्षक राम बदन चौहान व सिपाही पिटू यादव ने समय से सूचना प्रेषित नहीं की, जिसके चलते डांट मिली थी। एसपी ने दोनों को निलंबित कर दिया। उनके अलावा लार थाने में तैनात दीवान दिनेश कसौधन व सिपाही संजीव कुमार सिंह को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण संबंधी कार्यों में लापरवाही मिलने पर निलंबन की कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक डा. श्रीपति मिश्र ने बताया कि दो उप निरीक्षक समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है। समय से कार्य पूरा न करने व अपराध नियंत्रण में लापरवाही मिलने पर यह कार्रवाई की गई है।

जांच के बाद सीडीपीओ समेत चार को नोटिस

देवरिया। बनकटा विकास खंड के अकटही बाजार में बाल विकास पुष्टाहार विभाग के सोयाबीन तेल से ठेले पर पकौड़ा बनाने का वीडियो वायरल होने के बाद विभाग गंभीर हो गया है। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर हुई जांच के बाद सीडीपीओ, सुपरवाइजर व दो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किया गया है। 26 अप्रैल तक संबंधित को जवाब देना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा समाप्त करने की विभागीय तैयारी है। चार दिन पहले अकटही बाजार में आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को उपलब्ध कराए जाने वाला सोयाबीन तेल पकौड़े के ठेले पर देखा गया। इसके बाद उसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार के निर्देश पर बाल विकास परियोजना अधिकारी देवरिया अजय कुमार नायक, दयाराम, प्रधान सहायक संतोष मिश्र की संयुक्त टीम ने जांच की। जांच में दो आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार के दुरुपयोग होने की पुष्टि हुई है। उनके यहां सोयाबीन तेल कम पाए गए हैं। इसको गंभीरता से लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बाल विकास परियोजना अधिकारी बनकटा गोपाल सिंह, मुख्य सेविका अनवारुन निशा को नोटिस जारी किया है। इनके अलावा सोहनपुर–सात की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंदू देवी व सोहनपुर–एक की कार्यकर्ता श्रीमती देवी को भी नोटिस जारी किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय ने बताया कि दो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दोषी पाई गई हैं। उनके जवाब तलब किया गया है। जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लार व देवरिया के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को नोटिस

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने सोशल आडिट कार्यक्रम की वर्चुअल समीक्षा की। इस दौरान लार व देवरिया के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के प्रतिभाग न किए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि 2019–20 में विकास खण्ड देसही देवरिया व पथदेवा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा शत प्रतिशत एटीआर अपलोड किया गया है। बैतालपुर में 243 के सापेक्ष 105 एटीआर अपलोड किया गया हैं। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2021–22 में विकास खंड बैतालपुर के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी द्वारा 254 के सापेक्ष 36 एटीआर अपलोड किया गया हैं। वित्तीय वर्ष 2019–20 तथा 2021–22 में विकास खंड बनकटा, बरहज, भागलपुर, भलुअनी, भटनी, भाटपाररानी, देसही देवरिया, देवरिया सदर, गौरीबाजार, लार पथरदेवा, रामपुर कारखाना, रुद्रपुर, सलेमपुर व तरकुलवा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा एक भी एटीआर अपलोड नही किए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। साथ ही 25 अप्रैल तक एटीआर अपलोड करने का निर्देश दिया।

योजनाओं का लाभ देने के लिए आयोजित हो रहे स्वास्थ्य मेलेः शलभ मणि

देवरिया। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि कोरोना काल में चिकित्सकों ने देवदूत बनकर सेवा कार्य किया।चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचा रहे हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ दिए जाने के लिए स्वास्थ्य मेले आयोजित किए जा रहे हैं। वह सीएचसी गौरीबाजार व पीएचसी बैतालपुर में आयोजित स्वास्थ्य मेले के उदघाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में बड़े–बड़े निजी अस्पताल को संचालकों ने बंद कर दिए थे। वहीं सरकारी चिकित्सक, एएनएम व स्वास्थ्यकर्मियों ने जान की परवाह किए बिना सेवा में जुटे रहे। कोरोना काल में परिषदीय शिक्षकों की भूमिका भी सराहनीय रही। सीएमओ डा.आलोक पांडेय ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर दवा का सेवन करें। विधायक ने अन्नप्राशन व दो महिलाओं की गोदभराई भी की। स्वास्थ्य मेले में 215 मरीजों का इलाज किया गया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विश्वविजय निषाद, एसीएमओ डा.एसके चौधरी, बीडीओ भइयन लाल पटेल, बीईओ डा.प्रभात चंद्र राय, क्लीनिकल साइकोलाजिस्ट डा.नेत्रिका पांडेय, डा.बीएन गिरि, डा.अखिलेश सिंह, डा.प्रवीण पाल, जिला पंचायत सदस्य विनय जायसवाल, बृजेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे। बैतालपुर संवाददाता के अनुसार, बैतालपुर पीएचसी परिसर में आयोजित स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने किया। उन्होंने लोगों से लोगों से लाभ उठाने की अपील की। इसके बाद उन्होंने सीएमओ डा.आलोक पांडेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर राय के साथ स्टालों का निरीक्षण किया। इस दौरान गिरिजेश मणि, शैलेंद्र सिंह आजाद, अंबिकेश पांडेय, जयप्रकाश मणि, धनुषधारी मणि, जितेंद्र सिंह, उमेश मल्ल, रमेश श्रीवास्तव, राजेश निषाद, आशुतोष तिवारी, अमित सिंह, मनीष पांडेय, नीलरतन जायसवाल आदि मौजूद रहे।

आपस में भिड़ी तीन बाइक, चार लोग घायल

मंगलपुर। भटहट–बभनौली मार्ग पर स्थित बरगदवा भट्ठे के पास तीन बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत में चार लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से गोरखपुर मेडिकल कालेज भेजा। शाम छह बजे बरगदवा निवासी राजकुमार व रामसजीवन लाल एक बाइक पर सवार होकर बरगदवा जा रहे थे। उसी समय बाइक से मनीष सिंह निवासी बरगदवा सामने से आ रहे थे। इसी बीच बरगदवा भट्ठा के पास भिड़ंत हो गई। उसी समय बगल से गुजर रहा तीसरा बाइक सवार भी उसी में भिड़ गया। जिससे राजकुमार, रामसजीवन लाल व मनीष सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने राजकुमार व रामसजीवन लाल को एंबुलेंस से गोरखपुर मेडिकल कालेज अस्पताल इलाज के लिए भिजवाया। वहीं मनीष सिंह को स्वजन इलाज के लिए निजी साधन से गोरखपुर के निजी अस्पताल में ले गए। वहां इलाज चल रहा है। राजकुमार व रामसजीवन लाल हालत गंभीर बनी हुई है।

युवक की हत्या के मामले में महिला समेत दो को जेल

मंगलपुर। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के सुमेरगढ़ में सोमवार की शाम घर में घुसकर युवक की पीटकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें अदालत ले जाया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। दोपहर में देसी शराब की दुकान पर शराब पीने के दौरान सुभाष व टीपू उर्फ रामदुलारे में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। उसी दिन शाम को आरोपितों ने लाठी–डंडा से लैस होकर सुभाष के घर में घुसकर मारपीट की, जिसमें सुभाष की मृत्यु हो गई। तहरीर के आधार पर छह लोगों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही थी। वहीं घटना के कुछ देर बाद एक महिला को गिरफ्तार कर लिया था। मुख्य आरोपित टीपू उर्फ रामदुलारे को . दोपहर में मंगलपुर में चाय की दुकान के पास से गिरफ्तार कर किया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष ध्यान सिंह चौहान ने बताया कि टीपू और रमावती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

अप्रेंटिसशिप मेला में 61 युवाओं को मिला रोजगार

महराजगंज।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महराजगंज में अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उमड़े रहे। इस दौरान 61 अभ्यर्थियों का अप्रेन्टिस के रूप में चयन किया गया। रोजगार मिलने से इन युवाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। अप्रेंटिसशिप मेला में विद्युत वितरण खण्ड, आन्दनगर, नौतनवा महराजगंज व निचलौल, नगर पालिका परिषद महराजगंज, प्रबंधक इण्डियन पोटाश लिमिटेड, पॉवर प्वाइन्ट, मिनी इण्स्ट्रीयल स्टेट सिचाई खण्ड प्रथम द्वितीय व उप्र जल निगम सहित कुल 25 अधिष्ठानों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मेले में कुल 300 से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से 61 का अप्रेंटिस के रूप में चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र वितरित किया गया। नोडल प्रधानाचार्य अमित कुमार मद्धेशिया ने बताया कि अप्रेंटिस करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रतिमाह 7700 स्टाइपेंड के रूप में मिलेगा। सहायक सेवायोजन अधिकारी माधवी उपाध्याय व महात्मा गांधी नेशनल फैलो सुमित राहा द्वारा कैरियर काउंसिलिग भी कराई गई। इस दौरान महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र अभिषेक प्रियदर्शी, आरडीएटी कानपुर से निदेशालय प्रतिनिधि के रूप में विनोद कुमार शर्मा, एमआइएस मैनेजर अरविन्द पाठक, वरिष्ठ सहायक प्रद्युम्न कुमार सिंह, गौरव कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

बस की ठोकर से बाइक सवार व एंबुलेंस से बालक की मृत्यु

सिसवा बाजार, सिसवा। कोठीभार थाना क्षेत्र के रमपुरवा में रात निजी बस की ठोकर से बाइक सवार युवक और एंबुलेंस की चपेट में आने से बृजमनगंज थाना क्षेत्र के विशुनपुर अदरौना निवासी राजकुमार की मृत्यु हो गई। सिसवा संवाददाता के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के शितलापुर के राजेश श्रीवास्तव निचलौल से सिसवा आ रहे थे। इसी दौरान तभी सिसवा से निचलौल की तरफ तेज गति से जा रही बस ने सामने से भिड़ गई। इस घटना में राजेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद चालक बस लेकर फरार गया। स्वजन शव को एंबुलेंस से सीएचसी सिसवा ले गए। प्रभारी निरीक्षक राम आशीष यादव ने बताया कि बस चालक के बारे में पता किया जा रहा है। आनंदनगर संवाददाता के अनुसार बृजमनगंज थाना क्षेत्र के विशुनपुर अदरौना निवासी राकेश भारती का पुत्र राजकुमार . दोपहर वाहन की चपेट में आने से घायल हो गया। स्वजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी ले गए, जहां चिकित्सकों ने बालक को मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार बालक एंबुलेंस की चपेट में आ गया था। घटना के बाद चालक एंबुलेंस लेकर फरार हो गया। मृत्यु के बाद स्वजन का रो–रो कर बुरा हाल है।

पृथ्वी दिवस पर पोस्टर बना दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बीएसएन ग्लोबल स्कूल शाहपुर के तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का

प्रर्दशन किया। दोनों प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर बच्चों ने पर्यावरण को हरा–भरा रखने का संकल्प भी लिया। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने पृथ्वी को बचाने के अपने भाव प्रदर्शित किए। जिसमें आख्या, अभिनव, अरुना, पलक, याशमीन, कृतार्थ, आयुष, मोमिना, गौरव, गीतांजली, मारिया, मंतसा, नैंसी, कृति, संजना, आलोक, आजाद, स्वेता के पोस्टरों को सराहना मिली। इस अवसर पर विद्यालय कि शिक्षिका चंद्रमति यादव ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दी। उन्होंने बच्चों से अपने आसपास साफ सफाई रखने और पौधरोपण की सीख हुए कहा कि हमें अपने पर्यावरण के संरक्षण हेतु सदा तत्पर रहना चाहिए। प्रकृति को नुकसान पहुंचाने से हमें ही तकलीफ होगी। पेड़–पौधे जीवन पर्यंत निरूस्वार्थ भाव से हमारी सेवा करते हैं। लेकिन बदले में हमें भी उनकी समुचित देखभाल करना चाहिए। ताकि आनेवाले समय में ग्लोबल वार्मिंग जैसी भयावह स्थिति से निपटने का उपाय किया जा सके। पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य ही यह है कि पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण, जलवायु में निरंतर हो रहे परिवर्तन से बचाने के लिए हम युवाओं, छात्रों एवं समुदाय को जागरूक करें। हमारी पृथ्वी को विभिन्न खतरों से बचाने एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हम सभी को एक साथ मिलकर सहयोग करना होगा। इस अवसर पर दीपक सिंह, वर्षा श्रीवास्तव, कुसुम, सुमन, प्रतिभा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मई को, आम जनमानस उठाये लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एव उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार अशोक कुमार प्रथम अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरणध्जनपद न्यायाधीश के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र द्वारा दिनांक 14.मई को प्रातः 07.00 बजे से जनपद न्यायालय सोनभद्र के प्रांगण में और बाह्य न्यायालय ओबरा, दुद्धी तथा ग्रामीण न्यायालय घोरावल के प्रांगण में एव राजस्व सम्बन्धी वादों के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत सभी राजस्व न्यायालय परिसर में आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है। उक्त आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हेतु लंबित

वाद–अपराधिक समनिय धारा 138 एन आई एक्ट,बैंक वसूली वाद ,मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद,श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण विद्युत विभाग जलधबिल सर्विस में वेतन से संबंधित तथा सेवानिवृत्त वादों से संबंधित विवाद राजस्व वाद (केवल उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय में लंबित वादो) सुलह योग्य प्री लिटिगेशन मामला जैसे धारा 138 एन आई एक्ट के वाद बैंक वसूली विद्युत एवं जल बिल व अन्य वादों को जनपद न्यायालय सोनभद्र के प्रांगण में एवं बाह्य न्यायालय ओबरा दुद्धी तथा ग्रामीण न्यायालय घोरावल के प्रांगण में राजस्व संबंधित वादों के लिए लोक अदालत व सभी राजस्व न्यायालय परिषर सोनभद्र में आयोजित किया जाना सुनिश्चित हुआ है आम जनसाधारण को इस सूचना के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि इस प्रकार के लंबित वाद विवादध शिकायत को राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कराने हेतु संबंधित अधिकरणधफोरम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी जनपद न्यायालयधजिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र से संपर्क कर अपने विवादो को निस्तारित करा सकते हैं। उक्त जानकारी पंकज कुमार सचिव (पूर्ण कालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा दी गई।

ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस पर हुआ निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल सिरसाई घोरावल में विश्व पृथ्वी दिवस पर चित्र और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित प्रतियोगिता के पूर्व छात्रों को बताया गया कि पृथ्वी पर कार्बन के उत्सर्जन को हर हाल में कम से कम करना होगा। जितना कार्बन उत्सर्जन होगा उतना ही हमारे पर्यावरण के लिए हानिकारक है। पृथ्वी निर्धारित मात्रा में जल, वायु, वृक्ष और शुद्ध वातावरण होना आवश्यक है। नही तो पृथ्वी का संतुलन प्रभावित होगा। इसके लिए जल संचयन और प्रदूषण मुक्त पृथ्वी का होना आवश्यक है। बिना प्राकृतिक संतुलन के पृथ्वी की कल्पना करना कठिन है। आज पृथ्वी पर घटते जल स्तर,वृक्षों की संख्या ने मानव का जीवन रोगी कर दिया है। लोग विभिन्न रोगों और संक्रामणों से प्रभावित हो रहे हैं। आज असंतुलन से पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी से मानव जीवन प्रभावित हो रहा है। आज जरूरत है कि पृथ्वी पर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए जाय और जल संचायन की ठोस व्यवस्था बनाई जाय। प्रदूषण और हमारी पृथ्वी नामक विषय पर निबंध और चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 80 छात्रों ने प्रतिभाग किया। सीनियर में जिसमें चित्रकला में प्रथम सौम्या सिंह, द्वितीय इच्छा दुबे, तृतीय लवकुश सिंह और निबंध में प्रथम अभिषेक कुमार, द्वितीय अंकित सिंह व तीसरे स्थान पर प्रीतम सिंह को सफल घोषित किया गया। वहीं जूनियर चित्रकला में प्रथम जाह्नवी पाण्डेय, द्वितीय आदर्श दुबे व तृतीय अहेम केशरी रहे। जूनियर निबंध प्रतियोगिता में रविशंकर को प्रथम, सत्यम सिंह को द्वितीय और यशस्वी को तृतीय स्थान मिला। सफल छात्रों में पुरस्कार वितरण आगामी सोमवार को करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर ग्रीन फील्ड ट्रस्ट आफ भारत के प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार पाण्डेय, मूलचंद त्रिपाठी, अजय दुबे, ऋषिकेश सिंह, राजेश कुमार, अम्बुज वर्मा, अब्दुल्लाह, चंदो पाण्डेय, सीमा पाण्डेय, शिखा चौबे, सत्य प्रकाश आदि।

जनजातीय संग्रहालय की स्थापना से सोनभद्र में होगा पर्यटन का विकासः दीपक कुमार केसरवानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनजातीय संग्रहालय की स्थापना से आदिवासी संस्कृति, साहित्य, कला, भाषा को जहां एक ओर संरक्षण प्राप्त होगा, जनपद सोनभद्र अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय मानचित्र पर अंकित होगा। जनपद में देशी और विदेशी पर्यटकों के आगमन से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति, राष्ट्रीय आय में वृद्धि और युवाओं को रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस घोषणा पर हर्ष व्यक्त करते हुए विंध्य संस्कृति शोध समिति

उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशकध इतिहासकार दीपक कुमार

- **आदिवासी, संस्कृति, साहित्य, कला को मिलेगा नया आयाम**
- **सरकारी आय में होगी वृद्धि युवाओं को मिलेगा रोजगार**
- **राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अंकित होगा सोनभद्र**

केसरवानी ने कहां कि–यह प्रस्ताव 29 अक्टूबर 2021 को ष्पर्यटन की अपार संभावनाओं से युक्त जनपद सोनभद्रष् विषय पर दूरदर्शन के डीडी यूपी चौनल से प्रसारित साक्षात्कार में मैंने सरकार के समक्ष रखा था तत्पश्चात 21 मार्च 2022 को मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में प्रदेश के 75 जनपदों में जिला सांस्कृतिक समिति को पुनर्जीवित करने, इसमें स्थानीय स्तर पर साहित्यकारों, पत्रकारों, कलाकारों, इतिहासकारों को सम्मिलित करने, प्रत्येक जनपदों में स्थानीय स्तर पर वर्ष में एक बार महोत्सव का आयोजन कराने, इतिहास पुर्नलेखन समिति का गठन कर इतिहास को नए सिरे से लिखे जाने, प्रत्येक जनपद में स्थानीय साहित्य, कला, संस्कृति, व्यक्ति आदि विषय पर जनरल नॉलेज की पुस्तकों का संकलन, प्रकाशन कराने तथा उसे पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया था ताकि प्रदेश के 75 जनपदों की 75 पुस्तकें प्रकाशित हो और एक जनपद के लोग अपने जनपद से 75 जनपदों की जानकारी प्राप्त कर सकें। प्रदेश के 75 जनपद में जिला स्तर पर बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की स्थापना का प्रस्ताव भेजा गया था। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उपरोक्त प्रस्तावित विषयों पर की गई घोषणा से जनपद सहित संपूर्ण प्रदेश के निवासी उत्साहित हैं प्रदेशवासियों को आशा और विश्वास है कि जनपद सोनभद्र शासन के प्रयासों से एक दिन पर्यटन, फिल्म हब बनेगा एवं जनपद अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर निश्चित रूप से उभरेगा।

पड़ाव स्थित राधाकृष्ण मन्दिर में भक्त सच्चे मन से जो भी मांगता है वह जरूर पूरा होता हैः गुड्डू खान

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। वार्ड नं0 18 जानकी नगर नौतनवा स्थित राधाकृष्ण

मन्दिर के जीर्णोद्धार के बाद स्थापित होने जा रही श्री श्री राधाकृष्ण जी की व श्री श्री हनुमान जी की नवीन प्रतिमा के साथ राधाकृष्ण मंदिर सीमित द्वारा आज नौतनवा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर की गलियों व मुख्य मार्गो से होते हुए पुनः मन्दिर पहुचकर समाप्त हुआ। शोभायात्रा में नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान सम्मलित होकर राधाकृष्ण जी के व हनुमान जी के चरणों मे पुष्प अर्पित कर नगर की सुख शान्ति हेतू मंगलमय कामना किया। भीषड गर्मी के परवाह न करते हुए भक्तों ने डीजे की भक्तिमय धुन पर नाचते–गाते शोभायात्रा में सम्मलित हुए। इस अवसर पर 'पालिका अध्यक्ष' ने बताया कि पड़ाव स्थित यह मन्दिर बहुत ही पुराना व जगराता मन्दिर हैं यहां भक्त सच्चे मन से जो भी मांगता है वह जरूर पूरा होता है। इस अवसर पर वार्ड सभासद अशोक कुमार, किसमती देवी,सन्नी ऊर्फ इशू, शिव जायसवाल, सोनू वर्मा, संतोष वर्मा, राजू, मोनू वर्मा, संगम, बेचू चौरसिया, मुकेश कुमार, मुराद अली, सोनू कुमार, मनोज कुमार, प्रदीप कुमार, कुमार धीरज, विरेंद्र मौर्या आदि भक्त व समिति के लोग उपस्थित रहे।

आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र में स्थापित हो विश्वविद्यालय

टीम 50 से जुड़े युवाओं का प्रतिनिधिमंडल मंडलायुक्त से मिल सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन द्वारा स्वीकृत विंध्याचल मंडल में स्थापित

किए जाने वाले विश्वविद्यालय को लेकर जनपद के युवाओं की टीम 50 का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को विंध्याचल मंडल के मंडलायुक्त से मिलकर ज्ञापन सौंपा। टीम 50 के राम अनुज धर द्विवेदी व सुनील आदिवासी नीतीश कुमार चतुर्वेदी व सनातनी दीपक पंडित के नेतृत्व में मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल से मिल कर ज्ञापन दिया। सुनील आदिवासी ने मंडलायुक्त महोदय से आग्रह किया कि शासन द्वारा विंध्याचल मंडल में विश्वविद्यालय खोले जाने के लिए जगह चयन जनपद सोनभद्र सबसे उपयुक्त होगा। उन्होंने बताया कि चार राज्यों से घिरा आदिवासी बाहुल्य के साथ साथ उत्तर प्रदेश का सोनभद्र सबसे अंतिम जिला है। यहां के युवाओं और युवतियों को उच्च शिक्षा के लिए बनारस, प्रयागराज लखनऊ आदि सुदूर के जनपदों में जाना पड़ता है। टीम 50 के लोगों ने मंडलायुक्त से यह भी कहां की सोनभद्र जनपद आदिवासी बाहुल्य होने के नाते यहां के लोगों को सुदूर जाकर शिक्षा ग्रहण करना बहुत ही मुश्किल होता है। वही टीम50 के नीतीश कुमार चतुर्वेदी एवं सनातनी दीपक पंडित ने विंध्याचल मंडल में विश्वविद्यालय खोले जाने की शासन की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंडलायुक्त को बहुत–बहुत बधाई दी और अपेक्षा किया है कि उसे जनपद सोनभद्र में स्थापित करा कर पिछड़े जनपद को उच्चस्तरीय शिक्षा ग्रहण कराने में अग्रणीय भूमिका का निर्वहन करते हुए को गौरवान्वित कराने का कार्य करेंगे। मंडलायुक्त को ज्ञापन देने वालों में राम अनुज धर द्विवेदी, सुनील आदिवासी, नीतीश कुमार चतुर्वेदी एवम सनातनी दीपक पंडित मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया म्योरपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित मिले स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन रोकने का दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र अमित

कुमार शर्मा ने म्योरपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। शुक्रवार को सुबह लगभग 11.30 बजे मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार शर्मा सीएचसी पंहुचकर इमरजेंसी वार्ड, लैब, शौचालय, ओपीडी रजिस्टर का निरीक्षण किया। मरीजो को मिलने वाली दवाओं के बारे में जानकारी लिया। उपस्थिति रजिस्टर के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन रोकने का निर्देश दिया। प्रसव कक्ष के निरीक्षण के दौरान गंदगी देखकर वार्डो की साफ सफाई कराने का निर्देश डॉ शिशिर श्रीवास्तव को दिया। डॉ शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि सीएचसी में स्टाफ की काफी कमी है। जितने स्टाफो की तैनाती है उन्ही से चिकित्सा व्यवस्था चलाई जा रही है।

सीएचसी की अन्य व्यवस्थाओ से सन्तुष्ट नजर आये। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह, डीसी मनरेगा, जिला प्रोग्राम अधिकारी, बीडीओ म्योरपुर नीरज कुमार तिवारी, एडीओ पंचायत रविदत्त मिश्र, डॉ शिशिर श्रीवास्तव, डॉ राजन सिंह, फार्मासिस्ट वीरेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, अपर शोध अधिकारी उमाशंकर पांडेय, स्टाफ नर्स सुमन कुमारी, सरोज खान, एएनएम सर्वेश कुमारी, हरिगेद, संतराम इत्यादि स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

घोरावल अस्पताल में लगा स्वास्थ्य शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल के परिसर में ब्लॉक स्वास्थ्य मेला में 365 मरीजों की जांच कर दवा व परामर्श दिया गया किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बेबी हेल्थ का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित स्वास्थ्य मेले में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श व दवाएं दी। स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि घोरावल विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य ने कहा कि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। सरकार का प्रयास है कि आम आदमी को सरकारी अस्पताल में बेहतर सुविधाएं

मुहैया कराई जाए। मेले में बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के स्टाल लगाये गये थे। सीएमओ डा. आरएस ठाकुर व सीएचसी अधीक्षक डॉ मुन्नाप्रसाद ने स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, नेत्र इत्यादि का जांच किया गया। परिवार कल्याण सामग्री का वितरण किया गया और आयुष्मान कार्ड बनाया गया। स्वास्थ्य मेले में डॉ. संग्राम सिंह, डॉ. स्मिता पटेल, डॉ. प्रदीप, डॉ. अनुराग वर्मा, डॉ सुजीत कुमार, डॉ पल्लवी सिन्हा, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ प्रवेश ने आये हुए रोगियों का जांच व उपचार किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य एवं अपर निदेशक स्वास्थ्य अशोक कुमार सिंह रहे। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार, जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव, एसआरसी संजय मिश्र डॉ आरके यादव, बीपीएम प्रशांत दुबे, लालजी तिवारी, अरुण कुमार पांडेय, अशोक त्रिपाठी, सुनील चौबे इत्यादि रहे। संचालन प्रधानाचार्य भारतीय इंटर कॉलेज गणेशदेव पांडेय ने किया।

पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड का किया गया निरीक्षण, सम्बंधित को दिए गए आवश्यक दिशा–निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शुक्रवार को पुलिस उप महानिरीक्षकध्पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात क्वार्टर गार्ड की सलामी ली गयी तथा सम्पूर्ण पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण कर स्टोर रुम, कार्यालय, बैरक, कैण्टिन, भोजनालय आदि का निरीक्षण करते हुए सम्बंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। साथ ही आरक्षियों के लिये बन रहे भोजन के गुणवत्ता की जांच की गयी। इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए रिक्रूट आरक्षियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं के सम्बंध में जानकारी की गयी तथा उक्त के निस्तारण एवं रिक्रूट आरक्षियों के बेहतर प्रशिक्षण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामाकंन करायें: शुचिता चतुर्वेदी

हरदोई।कलेक्ट्रेट सभागार में उप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डा शुचिता चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य, शिक्षा, मनरेगा, बाल विकास, अल्पसंख्यक, बाल कल्याण, किशोर न्याय बोर्ड, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, श्रम विभाग तथा चाइड लाइन आदि विभागों की समीक्षा की।

बैठक में सदस्य ने प्रोबेशन विभाग की समीक्षा करते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिये कि विगत वर्षो में कोरोना काल में अनाथ हुए सभी बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत लाभान्वित करायें तथा नवीन आवेदन पत्रों का सत्यापन कराकर शेष बच्चों को भी उक्त योजना के अन्तर्गत लाभ प्रदान करायें और मुख्यमंत्री सुमंगला योजना के तहत बालिकाओं को समय पर लाभ दिलाये तथा रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान योजना के अन्तर्गत पीड़ित महिलाओं को भी समय पर निर्धारित अनुदान उपलब्ध करायें। बाल सम्प्रेक्षण गृह के बच्चों के सम्बन्ध में सदस्य ने सीडब्लूडी अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह को निर्देश दिये कि नियमित बाल सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण करें और बाल बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण करायें तथा शिक्षा के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बैठक में सदस्य ने सहायक श्रमायुक्त अचला पाण्डेय को निर्देश दिये कि दुकानों एवं कारखानों में औचक निरीक्षण करें और बाल श्रम कराने वाले लोगों के विरूद्व कड़ी कार्यवाही करते हुए जुर्माना लगायें तथा बाल श्रमिक बच्चों का विद्यालयों में पंजीकरण करायें तथा पंजीकरण श्रमिकों को प्रदेश सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ प्राप्त करायें। बैठक में स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत बच्चों के पंजीकरण के सम्बन्ध में सदस्य ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि उक्त अभियान के तहत अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामाकंन करायें तथा छूटे हुए बच्चों के नामाकंन के लिए ब्लाक, तहसील एवं नगर निकायों में शिविर का आयोजन करें और समस्त विद्यालय में पोषण वाटिका का निर्माण करायें। बैठक में सदस्य ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि आंगनबाड़ी केन्द पर आने वाले बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाये और बच्चों को समय पर पोषण आहार का वितरण करायें तथा चिहिन्त अति कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से तत्काल स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करायें। उन्होने बैठक में उपस्थित सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर अधिक ध्यान दें।

समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी वन्दना त्रिवेदी, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुशील कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्वि मिश्रा, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह, सहायक श्रमायुक्त अचला पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एंटी भू–माफिया अभियान, 2.668 हेक्टेयर चारागाह की भूमि कराई कब्जा मुक्त

हरदोई। भू–माफिया के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तहसील प्रशासन 2.668 हेक्टेयर चरागाह की भूमि को कब्जा मुक्त कराया है। तहसीलदार सण्डीला ने कहा शासन के निर्देशानुसार यह अभियान चलता रहेगा।तहसील क्षेत्र सण्डीला के ग्राम मीर नगर अजिगवां में भू–माफियाओं ने पशुचर की भूमि गाटा संख्या 2868 का रकबा 2.668 हेक्टेयर पर अवैध रूप से कब्जा कर खेती कर रहे थे। उक्त भूमि पर तहसील प्रशासन के निर्देश पर क्षेत्रीय लेखपाल रमेश कुमार मौके पर पहुंच कर बुलडोजर चलवा दिया, जिससे चारागाह की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। बतातें चलें, तहसील क्षेत्र में भूमि विवाद से जुड़े ज्यादातर मामले हैं। अपराध की भी ज्यादातर घटनाओं के पीछे जमीन का ही विवाद मुख्य वजह रहता है। जिसकी लाठी, उसकी भैंस की तर्ज पर लोगों ने कमजोर वर्ग की जमीन व सरकारी भूमि हथिया रखी है। सरकारी भूमि पर भू–माफियाओं ने अवैध कब्जा कर रखा है। पिछली सरकार में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एंटी भू माफिया सेल का गठन कर ऐसे लोगों को सूचीबद्ध करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कुछ समय योजना चल सकी थी लेकिन कोविड की वजह से मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। फिर से सरकार बनने के बाद योगी प्रशासन ने अवैध कब्जे को लेकर भू–माफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी है। तहसील क्षेत्र में एक पखवाड़े के अंदर कई बार योगी प्रशासन के बुलडोजर की गर्जना सुनाई दी है।तहसील प्रशासन द्वारा एंटी भू–माफिया के तहत की जा रही ताबड़तोड़ कार्यवाई से अवैध कब्जा धारकों में हड़कंप मचा हुआ है।

शोहदों से निपटने के लिए एक्टिव हुए एंटी रोमियो स्क्वाड

एंटी रोमियो टीम ने बसों, मंदिर, बाजार,स्वास्थ्य मेला व अन्य भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाकर महिलाओं को किया जागरुक

हरदोई।कोतवाल डीके सिंह के निर्देशन में महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षार्थ कस्बे में गठित एंटी रोमियो स्क्वाड द्वारा क्षेत्र के मुख्य बाजारों,मंदिर,भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं,महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया। कोतवाल डीके सिंह के निर्देशन में नारी सुरक्षा व नारी सम्मान को चलाये जा रहे मिशन–शक्ति अभियान के तहत गठित एंटी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा मुख्य बाजारों, मंदिर, भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओं,महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा संबंधी उपायों के बारे में जागरूक किया गया। उपस्थित महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूज नंबर के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया।

एंटी रोमियो टीम के सदस्यों द्वारा छात्राओं, बालिकाओं को बताया गया कि कभी भी आवश्यकता पडने पर थाना, एंटी रोमियों टीम व उप्र पुलिस द्वारा संचालित महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को चलाये जा रहे नंबरों पर बेझिझक काल करना चाहिए। तथा आम जनता, महिलाओं, बच्चो से समन्वय स्थापित कर महिला सुरक्षा व सशक्तीकरण का संदेश दिया जा रहा है।

साथ ही महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढाया गया एवं महिला अधिकारों के संबंध में अवगत कराया गया। साथ ही सभी छात्र,छात्राओं, बालिकाओं,महिलाओं को अवगत कराया गया कि सभी थानो में महिलाओ की सुरक्षा,सहायता हेतु एक महिला हेल्प डेस्क बनाया गया है, जहां पर महिला कर्मी द्वारा महिलाओ की शिकायत सुनी जाती है। सभी बालिकाओं,छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर का निर्भीक होकर उपयोग करने को तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करने,शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया गया। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वाड द्वारा आसपास बेवजह घूम रहे युवकों,शोहदों से पूछताछ कर हिदायत दी गई।

स्वास्थ्य मेले का सांडी विधायक ने फीता काटकर किया शुभारंभ

हरदोई।आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जिले के सुरसा सामुदायिक केंद्र पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि रहे सांडी विधायक प्रभाष कुमार व विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता धनंजय मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। तथा विशिष्ट अतिथि को डॉक्टर हेमंत राजपूत ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। एक दिवसीय मेले में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए तथा विशेष डॉक्टर की टीम ने मेले में आये नागरिको का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों के साथ परामर्श दिया,इस दौरान विधायक ने वहां लगे स्टालो पर जाकर सभी से जानकारी ली जिसके बाद टीबी रोगियों को पोषण किट प्रदान की व गर्भवती महिलाओ को स्वास्थ्य किट व फलो की टोकरी दी तथा आये हुए लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी वितरित किये इस दौरान भाजपा नेता धनंजय मिश्र ने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार बिना भेदभाव देखे प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य संबंधी सुविधाये पंहुचा रही है। कार्यक्रम में जूनियर हाईस्कूल बरहा की छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।इस मौके पर स्वास्थ्यकर्मियों सहित खण्ड विकास अधिकारी रामप्रकाश वर्मा,खण्ड शिक्षा अधिकारी भगवान राव, प्रभारी डॉक्टर विवेक यादव,डॉक्टर एनके गुप्ता, संजय सिंह, सत्यपाल सिंह, उपेंद्र मिश्र,सुमित सिंह,आदि तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गोला तहसील के अंतर्गत आने वाले ब्लॉकों के गांवों में चौपालों का आयोजन

गोला खीरी। उप जिलाधिकारी गोला के दिशा निर्देशन में दिनांक 21–4–22 को तहसील गोला क्षेत्रान्तर्गत समस्त ब्लॉकों में कुल 28 ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।जिसमें प्रधान,लेखपाल, सचिव,आशा, आंगनवाडी कार्यकर्ती,पंचायत सहायक,बीट सिपाही व ग्राम वासी उपस्थित रहे। समस्त विभागों की प्राप्त शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए गए। औचक रूप से एस. डी. एम. और सी. ओ. द्वारा भी आयोजित ग्राम चौपाल का निरीक्षण किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप समस्त ग्राम वासियों को गांव पर ही सभी सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य के चलते गांव में ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गांव पर समय–समय पर चौपाले व गांव मे अधिकारी व ग्रामीणों के साथ संवाद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इन चौपालों में समस्त प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। लेखपाल. कानूनगो. स्वास्थ्य कर्मचारी. आंगनवाड़ी. वीडियो. पंचायत सेक्रेट्री. मवेशी डॉक्टर. होम्योपैथिक डॉक्टर.आशा कार्यकर्ती. विद्युत विभाग के अधिकारी. कृषि विभाग के अधिकारी. जन सेवा केंद्र के कर्मचारी आदि मौके पर ग्रामीणों की फरियाद को सुनेंगे और त्वरित उनको लाभ प्रदान किया जाएगा। जिसके चलते गोला में उप जिलाधिकारी अविनाश चंद्र मौर्य के दिशा निर्देशन में तहसील गोला के अंतर्गत आने वाले सभी ब्लॉक केंद्रों के गावो मे ग्राम चौपालों का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील स्तर के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएचसी नकहा में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

लखीमपुर खीरी। अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे छह दिवसीय स्वास्थ्य मेले कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचसी नकहा और मितौली में स्वास्थ्य मेलों का आयोजन हुआ।

जानकारी देते हुए एसीएमओ डॉ. बीसी पंत ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नकहा में सुबह 9 बजे से 4 बजे तक ष्आजादी का अमृत महोत्सवष के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय विधायक योगेश वर्मा जी के द्वारा किया गया। मेले में विशिष्ट अतिथि के रुप में खंड विकास अधिकारी आलोक वर्मा, अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नकहा डॉ. सुभाष वर्मा, कार्यवाहक सीडीपीओ, मंजू दुबे व जनपद से आए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीसी पंत सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। मेले में स्वास्थ विभाग के द्वारा स्टाल लगाकर लोगों का पंजीकरण, स्वास्थ्य परीक्षण, ओपीडी, कोविड–19 टीकाकरण, शुगर और बीपी व समस्त पैथोलॉजी जांच, टीबी की जांच, नेत्र उपचार, कुष्ठ जांच, आयुष्मान गोल्डन कार्ड व डिजिटल हेल्थ आईडी आदि बनाए गए व किशोर स्वास्थ्य व परिवार नियोजन सम्बंधित परामर्श भी प्रदान किया गया।

इसके साथ ही आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायतीराज व ग्राम विकास विभाग, बाल विकास पुष्टाहार विभाग, युवा कल्याण विभाग, फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट द्वारा स्टाल लगाकर जन समुदाय को संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर डॉ. पल्लवी सिंह,डॉ पुनीत शुक्ला, डॉक्टर आशीष वर्मा, डॉ. संजय वर्मा, डॉ. आरती मनार, डॉ. रजनी देवी, डॉ. एस एस सिंह, डॉ नितेश वर्मा, डॉ. अखिलेश शुक्ला, डॉ. सौरभ सिंह एवम् डॉ. सतीश चंद्रा द्वारा ओपीडी का कार्य किया गया। कार्यक्रम में सीएचसी नकहा पर तैनात सभी सी एचओ और डाटा एंट्री ऑपरेटर अमन सिंह, विशिक वर्मा एवम् प्रिन्स अवस्थी के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीपीएम हरीश चन्द्र श्रीवास्तव ने किया। मेले में भारी संख्या में जन समुदाय, आशाएं, संगिनी व आंगनवाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दो दिवसीय दिया गया प्रशिक्षण

हरदोई।कछौना ब्लाक मुख्यालय में स्थित सभागार में आगनवाडी कार्यकत्रियों को प्री–प्राइमरी स्कूल संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बच्चों को कक्षा एक में जाने से पहले की तैयारियों के बारे में बताया गया।आयोजित कार्यक्रम में सही वजन लेने का तरीका और पंजिकाओं को सही प्रकार से बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विभागीय कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर अर्चना वर्मा और डॉ सलेहा जबीं द्वारा बताया गया कि अब कक्षा एक में प्रवेश लेने से पहले बच्चे की तैयारी के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्री–प्राइमरी के रूप में शिक्षा दी जाएगी। नई शिक्षा नीति में इसे बाल वाटिका का नाम दिया है। इस प्रशिक्षण में इस प्रशिक्षण की मास्टर ट्रेनर अर्चना वर्मा, मास्टर ट्रेनर डॉक्टर सालेहा जबीं, मास्टर ट्रेनर श्रेया स्वाती ने दीया। इस कार्यक्रम में सेविका मीरा कुमारी एवं शारदा वर्मा सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने बढ़ चढ़कर प्रशिक्षण का लाभ लिया।

करंट लगने से दो किसानों की मौत,एक जख्मी

हरदोई। जिले के टडियावाँ थाना क्षेत्र के अंतर्गत करेहका गांव में खेतों को जा रहे दो किसान की करंट लगने से मृत्यु हो गई वही एक गंभीर रूप से झुलस गया तथा इसके शोक में उस युवक के साले ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।तीनों शवों को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया है। खेत जा रहे दो किसानों की करंट लगने से मौत हो गई।खेत में टूटे पड़े हाईटेंशन लाइन के तारों की चपेट मे आने से तीसरा किसान झुलस गया।झुलसे किसान को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मृतक किसान के साले ने घटना से क्षुब्ध होकर बाग में लगाई फाँसी पुलिस ने तीनो के शवों को कब्जे में लिया।

वर्तमान ऐसा है तो भविष्य की कल्पना कितनी भयावह होगी

मुद्दों से मुंह मोड़ना समाज में उत्पन्न होने वाले जोखिमों की ओर संकेत

लखीमपुर खीरी।आज के उपभोक्तावादी समाज में हर वस्तु बिकाऊ बना दी गई है कहा जाता है कि बाजार का केवल एक नियम होता है कि बाजार का अपना कोई नियम नहीं होता इसलिए हर चीज यहां तक कि भावना और रिश्ते भी उपभोग की वस्तु बन चुके हैं जिसे मन चाहा दाम लगा कर बेचा और खरीदा जा सकता है दुनिया तेजी से बदल रही है इसलिए परिवार शिक्षा राजनीति और अर्थव्यवस्था भी समय के अनुरूप तेजी से करवटें ले रही हैं!इसमें कोई दो राय नहीं कि तेजी से बदलते इस दौर ने मनुष्य की उम्र के हर पड़ाव को प्रभावित किया है अगर बाल्यावस्था की बात करें तो बचपन खो गया है या कहें कि आज के दौर में बचपन जैसा कुछ रह ही नहीं गया बच्चे सीधे किशोर या युवावस्था में कदम रखने लगे हैं अब बच्चे खिलौनों से नहीं मोबाइल और कंप्यूटर से खेलते हैं इस लिए व वास्तविक विश्व और समाज का हिस्सा नहीं बन पा रहे!इसकी जगह आभासी समाज ने ले ली है कंप्यूटर गेम की इस दुनिया ने उनके व्यक्तित्व को पूरी तरह से बदल दिया है किशोर आबादी कंप्यूटर गेम गैजेट सोशल मीडिया आदि में उलझ कर रह गई है! यह सब बाजारवाद और उपभोक्तावाद का परिवार और समाज पर बढ़ते प्रभाव का ही नतीजा है बाजार का एकमात्र लक्ष्य अधिक से अधिक लाभ कमाना ही होता है इसके लिए वह मनुष्य की भावनाएं रिश्ते दुख दर्द खुशी सबका कारोबार करता है!बाजार की शक्तियां केवल मुनाफे के लिए काम करती हैं इसलिए उनसे कोई अपेक्षा नहीं की जा सकती लेकिन एक लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राज्य परिवार और शिक्षक समुदाय का ऐसे मुद्दों से मुंह मोड़ना समाज में उत्पन्न होने वाले जोखिमों की ओर संकेत करता है!अगर वर्तमान ऐसा है तो भविष्य की कल्पना कितनी भयावह होगी कहने की आवश्यकता नहीं है!बाजार मानव आवश्यकताओं को पूरा करे यहां तक तो ठीक है लेकिन अगर जरूरतों को निर्देशित और नियंत्रित करने लगे तो वह समाज और राष्ट्र के लिए खतरा बन जाता है।

एआरटीओ ने दो ट्रको समेत 9 ओवरलोड वाहन पकड़े,किया जुर्माना

हरदोई। कस्बे में सुबह एआरटीओ ने डग्गामार वाहनों पर शिकंजा कसते हुए दो ट्रकों समेत नौ वाहनो को ओवरलोड के आरोप में पकड़ कर जुर्माना की कार्रवाई की है।जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है। एआरटीओ दयाशंकर ने हरपालपुर पहुंचकर दो मोरंग से भरे ओवरलोड ट्रकों को पकड़कर डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना किया है। वहीं चार ओमनी वैन 3 टेंपो को पकड़ कर कार्रवाई की है।जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है। एआरटीओ दयाशंकर ने बताया है कि वाहन चालकों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही की गई है।

नाले में पड़ा मिला वृद्ध का शव

बांदा। घर से खेत गए वृद्ध का शव नाले में पड़ा पाया गया। शव देखते ग्रामीणो ने उसे पहचान लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। घरवालो ने आशंका जाताई है कि उसकी लू लगने से मौत हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया। मटौध थाना क्षेत्र के दुरेड़ी गांव निवासी हरप्रसाद (70)पुत्र कामता प्रसाद गांव से तीन किमी दूर बंशी पुरवा स्थित खेत में रहता था। वह तीन दिन पहले घर से खेत आने के लिए निकला था। गुरूवार को उसका शव खेत के समीप स्थित नाले में पड़ा ग्रामीणो ने देखा तो उसे पहचान लिया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

लूट को अंजाम देने वाले अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हरदौली गांव के पास बाइक सवार दो लोगों को लूट का शिकार बनाने वाले अभियुक्त को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से लूट में इस्तेमाल किया गया 315 बोर तमंचा व एक जिंदा कारतूस और लूटे हुए मोबाइल को बरामद किया है। जिसके खिलाफ कोतवाली पर संबंधित धाराओं पर मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हरदौली गांव के नहर के पास बबेरू कस्बे के रहने वाले अंकित मिश्र पुत्र राज नारायण मिश्र व रोहित अवस्थी पुत्र रामकिशोर अवस्थी यह टोलाकला गांव से देर रात्रि 20 अप्रैल को बाइक द्वारा अपने गांव बबेरू आ रहे थे। तभी हरदौली गांव के नजदीक नहर पुलिया के पास अभियुक्त अरुण गर्ग उर्फ रामरुचि गर्ग पुत्र माता प्रसाद गर्ग उम्र 30 वर्ष निवासी हरदौली थाना बबेरू के द्वारा बाइक सवारों को खड़ा करवा कर तमंचा लगाकर अंकित के पास से ध्15000 व रोहित अवस्थी का एंड्राइड मोबाइल लूट लिया। और मारपीट कर भगा दिया, जिसमें अंकित मिश्र और रोहित अवस्थी ने बबेरू कोतवाली पर आकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तहरीर दिया। पुलिस के द्वारा मुकदमा पंजीकृत कर अज्ञात अभियुक्त की तलाश में जुट गई। तभी मुखबिर की सूचना पर आज बबेरू कोतवाली पुलिस के द्वारा तिंदवारी रोड पेट्रोल पंप के पास से अभियुक्त अरुण गर्ग उर्फ रामरूची पुत्र माता प्रसाद गर्ग निवासी हरदौली को गिरफ्तार कर लिया। जिसके कब्जे से लूटे हुए मोबाइल व लूट में इस्तेमाल किए किया गया 315 बोर अवैध तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। वही इस लूट में शामिल जुबेर पुत्र बदरुद्दीन निवासी हरदौली का नाम भी प्रकाश में आया है, जिसमें अरुण गर्ग उर्फ रामरुचि गर्ग के खिलाफ बबेरू कोतवाली पर धारा 394,504, 506,411 आईपीसी व 3ध्25 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया है। वही अभियुक्त अरुण गर्ग उर्फ रामरुचि गर्ग के पहले भी बबेरू कोतवाली पर चोरी गैंगस्टर सहित चार मामले दर्ज हैं, जिसका आज मेडिकल उपचार करवाने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया हैं।

एडी हेल्थ ने सीएचसी मितौली व पीएचसी संडिलवा का किया औचक निरीक्षण

मितौली–खीरी स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक लखनऊ मंडल डॉ. जीएस बाजपेई व सीएमओ डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने मितौली सीएचसी, पीएचसी संडिलवा व पीएचसी कालाआम का औचक निरीक्षण किया। वह अचानक मितौली सीएचसी पहुंच गए। आनन–फानन में सभी तैयारियां दुरुस्त करने में जिम्मेदार जुट गए। एडी हेल्थ व सीएमओ ने अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले लेवर रूम में साफ सफाई, बेड व प्रसव के दौरान उपयोग में लाए जानी वाली चीजों की जानकारी ली। ऑपरेशन थियेटर में स्थापित उपकरण जिनका अब तक प्रयोग नहीं किया गया का कारण जानकर खेद व्यक्त किया। बीपीएम यूनिट में तैनात ऑपरेटर से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की तीसरी किस्त का फार्म जमा करवाकर शीघ्र पोर्टल पर फीड करने का निर्देश दिया। इंसेफेलाइटिस कंट्रोल कक्ष में जानकारी जुटाई।

इसके बाद उन्होंने इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया जहां पर इमरजेंसी वार्ड का छोटा कक्ष देखकर चिंता जताई तथा वहाँ पर भर्ती मरीजो का हाल जानकर एक महिला मरीज का बीपी चेक करवाया। इसके अलावा डेंटल कक्ष सहित कई वार्डो का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। अस्पताल परिसर में कई जगह गंदगी देखकर एडी हेल्थ नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारो को सुधार के निर्देश दिए। इसके अलावा एडी हेल्थ ने कोविड की समस्त तैयारियों का जायजा लिया। अधीक्षक डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने समस्त तैयारियों के बारे में एडी हेल्थ को अवगत कराया। इसके बाद एडी हेल्थ व सीएमओ ने पीएचसी संडिलवा का निरीक्षण किया। यहाँ पर ओपीडी, दवा वितरण कक्ष आदि का निरीक्षण किया। यहाँ पर साफ सफाई न होने व कमरों व शौचालय के दरवाजे टूटे मिलने व बिजली, पानी की व्यवस्था बेहतर न होने पर नाराजगी जताते हुए सीएचसी अधीक्षक को 10 दिन के अंदर व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. शोयब अख्तर, डॉ. पुरुषोत्तम वर्मा, तैय्यब सिद्दीकी, फार्मासिस्ट आशीष शर्मा, पंकज वर्मा,एलटी शिवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो हौंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः– राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

तनाव से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं ये ब्रीथिंग एक्सरसाइज

आजकल हर कोई तनाव में ही अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। काम का बहुत अधिक दबाव या काम में असफलता, मॉडर्न गैजेट्स का अधिक इस्तेमाल और गलत दिनचर्या आदि कई कारण हैं, जो व्यक्ति को तनाव से घेर सकते हैं। हालांकि, अगर आप नहीं चाहते हैं कि यह मानसिक समस्या आप पर हावी हो तो इससे राहत दिलाने में कुछ ब्रीथिंग एक्सरसाइज आपकी मदद कर सकती हैं। आइए उन ब्रीथिंग एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं।

डीप ब्रीथिंग एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले किसी कुर्सी या जमीन पर दीवार के सहारे टेक लगाकर एकदम सीधे बैठ जाएं। अब अपनी आंखें बंद करके लगभग एक मिनट के लिए अपनी नाक के माध्यम से सामान्य रूप से सांस लें और मुंह से छोड़ें। इस दौरान अपना ध्यान अपनी सांस पर रखें। अगर आप 5–10 मिनट तक रोजाना इसी तरह से एक्सरसाइज करते रहेंगे तो इससे ऑक्सीजन स्तर सुधरेगा और तनाव से भी छुटकारा मिलेगा।

लायंस ब्रीथ एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठकर अपने घुटनों को खोल लें, फिर अपने दोनों हाथों को अपने घुटनों के ऊपर रखें। इसके बाद चेहरे की मांसपेशियों पर दबाव डालते हुए जीभ को बाहर निकालें और मुंह खोलकर शेर की तरह दहाड़ लगाएं। कुछ मिनट तक ऐसा करने के बाद धीरे–धीरे सामान्य हो जाएं। लाभ के लिए तीन से पांच बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

शीतली ब्रीथ एक्सरसाइज

इसके लिए सबसे पहले जमीन पर किसी आरामदायक स्थिति में बैठें और आंखें बंद कर लें। अब अपने हाथों को घुटनों पर रखकर अपनी जीभ से नली का आकार बना लें। दोनों किनारों से जीभ को मोड़कर नली का आकार बनाएं, फिर इसी स्थिति में लंबी और गहरी सांस लेकर जीभ को अंदर करके मुंह को बंद कर लें। इसके बाद अपनी नाक से धीरे–धीरे सांस छोड़ें। इस प्रक्रिया को कम से कम 20–25 बार दोहराएं।

डायाफ्रामिक ब्रीथिंग

इस एक्सरसाइज के लिए किसी समतल और शांत जगह पर सीधे बैठ जाएं या फिर पीठ के बल लेट जाएं। अब अपना एक हाथ सीने पर और दूसरा पेट पर रखें। इसके बाद नाक से सामान्य तरीके से ऐसे सांस लें कि पेट ज्यादा से ज्यादा अंदर की ओर सिकुड़े और फिर धीरे–धीरे नाक से सांस छोड़ें। इस एक्सरसाइज को एक से दो मिनट दोहराने के बाद सामान्य हो जाएं।

कियारा आडवाणी का भूल भुलैया 2 लुक आया सामने

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी के रहस्यमयी किरदार भूल भुलैया 2 से रीत का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के अपने किरदार का मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह कार्तिक आर्यन और तब्बू के साथ हैं। इसमें कियारा घबराई और हैरान दिख रही हैं। उनके सिर पर बड़े–बड़े और काले नाखून वाला हाथ आता है। अपने किरदार से प्रशंसकों को चिढ़ाते हुए, कियारा ने रीत के बारे में दर्शकों की जिज्ञासा को जगाने के लिए बस एक छोटा सा खुलासा किया, जैसा कि उन्होंने कैप्शन में लिखा मिलिए रीत से, बेवकूफ मत बनिएगा। ये स्वीट नहीं है। अभिनेत्री अनीस बज्मी के निर्देशन में पहली बार कार्तिक के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, जिसे टी–सीरीज द्वारा मुराद खेतानी के साथ निर्मित किया गया है। भूल भुलैया 2 ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया की अगली कड़ी है, जिसमें अक्षय कुमार, शाइनी आहूजा, विद्या बालन, परेश रावल, अमीषा पटेल और राजपाल यादव ने अभिनय किया था। 2007 की फिल्म, जिसे प्रियदर्शन द्वारा फिल्माया गया था, वह 1993 की मलयालम फिल्म मणिचित्रथाजू की रीमेक थी, जिसका निर्देशन फाजिल ने किया था, जो मलयालम स्टार फहद फासिल के पिता हैं। कियारा की बात करें तो, अभिनेत्री अगली बार वरुण धवन के साथ जुग जुग जीयो में दिखाई देंगी। उसके बाद विक्की कौशल के साथ गोविंदा नाम मेरा में दिखाई देंगी। वह वर्तमान में राम चरण के साथ एस शंकर की आगामी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं।

कश्मीर फाइल्स के बाद अब दिल्ली फाइल्स बना रहे विवेक अग्निहोत्री, सिख दंगों और तमिलनाडु पर आधारित होगी फिल्म

हाल ही में द कश्मीर फाइल्स फिल्म रिलीज हुई थी। दर्शकों ने इस फिल्म को खूब प्यार दिया है। फिल्म को निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने ही बनाया है। ऐसे में विवेक की भी हर जगह तारीफ हो रही है। फिल बहुत ही कम बजट में बनी है लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की है। फिल्म ने कश्मीरी पंडितों पर हुए जुल्म को दिखाया गया है।

फिल्म अब एक आंदोलन का रूप भी ले चुकी है। इस फिल्म को कई दिग्गजों ने भी सपोर्ट किया है। वहीं अब विवेक अपनी नई फिल्म पर भी काम करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि अब कश्मीर फाइल्स के बाद विवेक दिल्ली फाइल्स बनाने जा रहे हैं जिस पर वे जल्द ही काम भी शुरू करने वाले हैं। ये फिल्म भी बेहद खास होने वाली है। दर्शकों को भी अब इस फिल्म का इंतजार हो रहा है।

बात दें कि कश्मीर फाइल्स ने तो बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ दिए हैं। इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। वहीं अब इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज किया जाने वाला है। ऐसे में अब लोग घर बैठे ही इस फिल्म को देख सकेंगे। लेकिन अब विवेक एक दूसरी फिल्म पर भी काम करने वाले हैं जिसका नाम दिल्ली फाइल्स होने वाला है।

हाल ही में विवेक ने अपनी नई फिल्म के बारे में बताया है। विवेक ने ही 15 अप्रैल को इस बारे में बताया है कि वे अब दिल्ली फाइल्स बनाने जा रहे हैं। ये फिल्म 1984 पर आधारित होने वाली है। विवेक भी 1984 को भारत के इतिहास में काला अध्याय मानते हैं। उनके मुताबिक इस फिल्म में तमिलनाडु के सच को भी दिखाया जाएगा।

विवेक के मुताबिक पंजाब में आतंकवाद की स्थिति को समेटना अमानवीय था। विवेक का कहना है कि यदि इतिहास के बारे में लोगों को बताया जाए तो वे इसके लिए कदम उठाएंगे और न्याय की मांग भी करेंगे। वहीं उन्होंने ये भी साफ कर दिया है कि ये फिल्म दिल्ली के बारे में नहीं बल्कि दिल्ली इतने समय से कैसे भारत को तबाह कर रही है इस पर होने वाली है। जल्द ही अब विवेक इस फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं।

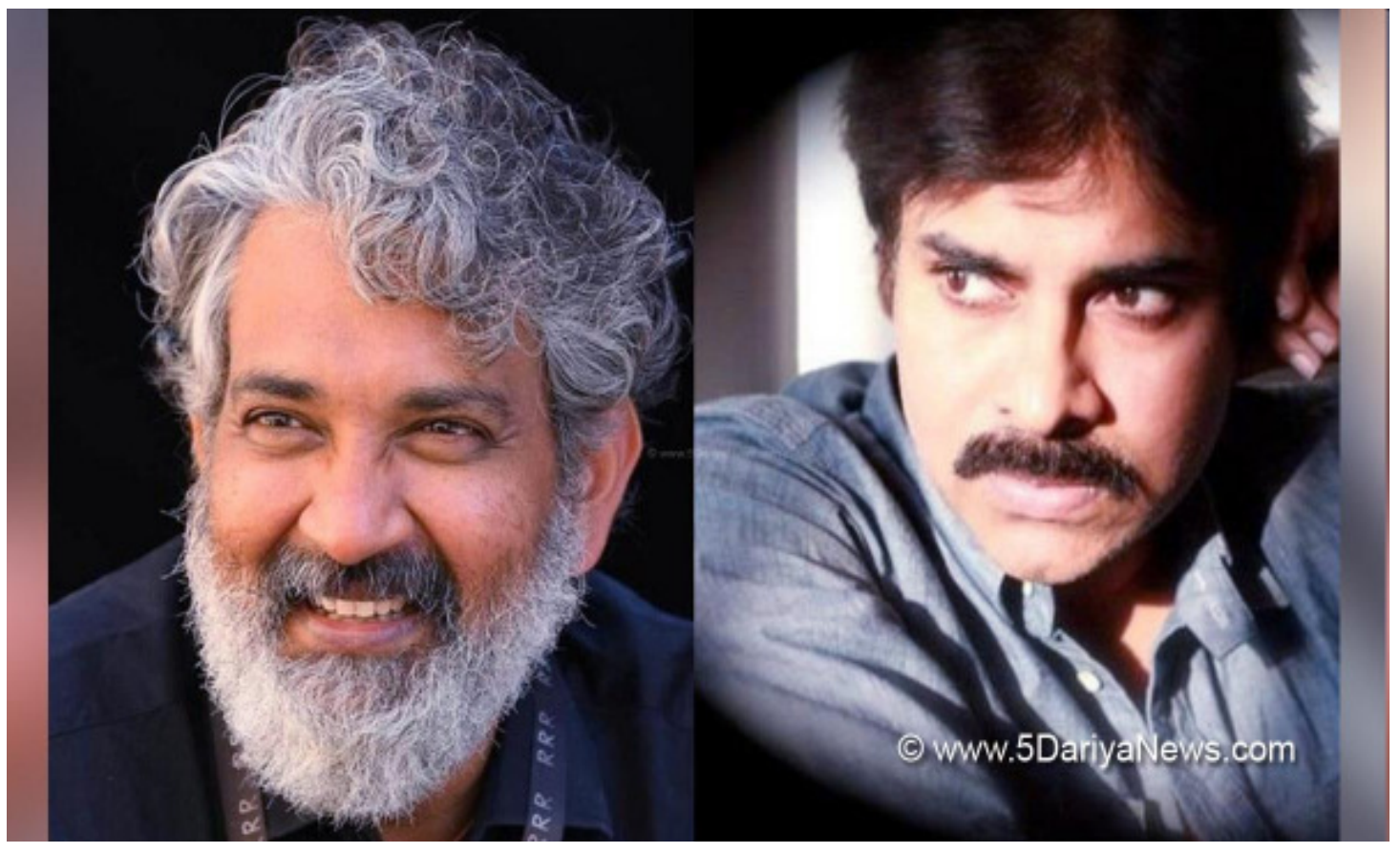

पवन कल्याण, राजामौली के फिल्म आचार्य के प्री–रिलीज इवेंट में शामिल होने की उम्मीद

दक्षिण के सुपरस्टार पवन कल्याण और एस एस राजामौली अभिनेता चिरंजीवी और राम चरण की फिल्म आचार्य की रिलीज से पहले आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। आचार्य का प्री–रिलीज इवेंट 23 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। निर्माताओं ने अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। राम चरण, चिरंजीवी और पवन कल्याण को मंच पर एक साथ देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित नजर आ रहे हैं। कोराताला शिव द्वारा निर्देशित आचार्य में चिरंजीवी और राम चरण एक मिशन पर काम करते हुए नजर आएंगे। दूसरी ओर, काजल अग्रवाल और पूजा हेगड़े भी फिल्म में नजर आएंगी। यह पहली बार है जब चिरंजीवी और राम चरण एक साथ स्क्रीन पर दिखाई देंगे।

डैंड्रफ से छुटकारा दिला सकता है नींबू, ऐसे करें इस्तेमाल

अगर आपको डैंड्रफ की समस्या है और कई एंटी–डैंड्रफ हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बावजूद आपको इस समस्या से राहत नहीं मिल रही हैं तो इनकी जगह नींबू का इस्तेमाल करें। नींबू में एंटी–फंगल और एंटी–बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो डैंड्रफ से छुटकारा दिलाकर स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि नींबू का किन–किन तरीकों से इस्तेमाल करके डैंड्रफ से छुटकारा मिल सकता है।

सिर पर लगाएं सेब के सिरके और नींबू का मिश्रणः सेब का सिरका और नींबू का मिश्रण काफी प्रभावी ढंग से डैंड्रफ की समस्या को दूर कर सकता है। इसके लिए पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच नींबू का रस और चार बड़ी चम्मच सेब का सिरका अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से अपने सिर पर लगाकर 20–25 मिनट तक मसाज करें। इसके बाद अपने सिर को माइल्ड शैंपू और पानी से धोकर साफ करें।

अंडे और नींबू का हेयर मास्क बनाकर करें इस्तेमालः अगर आप डैंड्रफ की समस्या से बहुत परेशान है तो इसे दूर करने में अंडे और नींबू का हेयर मास्क काफी मदद कर सकता है। इसके लिए एक कटोरी में बालों की लंबाई के अनुसार अंडे का सफेद भाग लेकर इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को स्कैल्प में लगाएं और हल्के हाथों से 8 से 10 मिनट तक मसाज करें। अंत में सिर को पानी से धो लें।

एलोवेरा और नींबू का मिश्रण भी है कारगरः एलोवरा और नींबू का मिश्रण एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–फंगल प्रभाव प्रदर्शित करता है, जिसकी मदद से डैंड्रफ से छुटकारा मिल सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा जेल और नींबू के रस की बराबर मात्रा मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अपने सिर की जड़ों में लगाकर कुछ मिनट हल्के हाथों से मसाज करें। फिर 10 से 15 मिनट अपने सिर को माइल्ड शैंपू और पानी से धोकर साफ कर लें।

नींबू, दही और शहद के हेयर मास्क का करें इस्तेमाल

डैंड्रफ की समस्या से राहत पाने के लिए दही, नींबू के रस और शहद के हेयर मास्क को बनाकर लगाना लाभदायक हो सकता है। समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच नींबू का रस, दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को अच्छे से अपने पूरे सिर में लगाएं, फिर एक घंटे के बाद अपने सिर को धो लें।